CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-57
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार, 03 जून 2024

आज का विचार

पीड़ा से दृष्टि मिलती है, इसलिए आत्मपीड़न ही आत्मदर्शन का माध्यम है।
- भगवान महावीर

तीन माह में हीट स्ट्रोक से राजस्थान से ज्यादा मप्र में हुईं 14 लोगों की मौत

भोपाल। एक मार्च से अब तक हीट स्ट्रोक के 24849 मामले सामने दर्ज हो चुके हैं। सबसे ज्यादा केस मई महीने में दर्ज किए गए, पूरे 19189 मामले। इन तीन महीनों में कुल 56 मौतें हीट स्ट्रोक से हुई हैं। कुल मौतों में सबसे ज्यादा मई महीने में 46 दर्ज हुई हैं। इन मौतों के आंकड़ों को देखें तो मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा 14, महाराष्ट्र में 11, आंध्र प्रदेश में 6 और राजस्थान में 5 मौतें दर्ज हुई हैं। केंद्र सरकार हीट स्ट्रोक से जुड़े केस और उनकी मौत से जुड़े आंकड़े एकट्ठा कर रही है। यह देश में गर्मी से जुड़ी बीमारियों और मौतों के आंकड़ों को ट्रैक करने से जुड़ा एक हिस्सा है। इन आंकड़ों से पता चल रहा है कि देश में सबसे ज्यादा केस राजस्थान के बजाय मध्य प्रदेश में दर्ज हुए हैं। इनमें प्रभावित होने वालों और मरने वाले दोनों की संख्या यहां सबसे ज्यादा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार उमस भरी गर्मी के दो दौर अप्रैल और मई माह में निकल चुके हैं। पहला दौर 5-7 अप्रैल, 15 और 30 अप्रैल को था। वहीं दूसरा दौर 1-7 मई और 16-26 मई के बीच था। 16-26 मई के बीच में हीट वेव की लहर दिल्ली, राजस्थान, दक्षिण हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पंजाब में अपना कहर बरसा चुकी है। इस दौरान इन क्षेत्रों का तापमान 44-50 डिग्री सेल्सियस तक रहा था। देश में जब इस तरह की भीषण गर्मी की लहर चल रही थी तभी देश के अलग अलग हिस्सों में लोकसभा चुनाव भी हो रहे थे।

दमोह में तीन निजी स्कूलों पर एक लाख 35 हजार का जुर्माना, पांच को नोटिस

दमोह। दमोह शहर के तीन निजी स्कूलों पर एक लाख 35 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया गया है। यह कार्यवाई कलेक्टर के निर्देशन में की है। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिए गए निदेर्शों के अनुरूप मध्य प्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 और नियम 2020 के प्रावधानों के तहत जिला समिति ने विद्यालयों द्वारा आधिकारिक वेबसाइट पर फीस विनियमन व अन्य विषयों के संबंध में जानकारी अपलोड नहीं करने पर 392 स्कूलों को सूचना पत्र जारी किए हैं। जिला शिक्षा एसके नेमा ने बताया कि आधिकारिक वेबसाइट पर 513 निजी स्कूलों में से 296 द्वारा विगत सत्र 2023-24 की फीस और 219 स्कूलों द्वारा सत्र 2024-25 की प्रस्तावित फीस संरचना की प्रविष्टि की गई। इनमें प्रविष्टि होने के बाद आमजन मानस ने पांच स्कूलों के संबंध में शिकायत दर्ज कराई। जांच के बाद तीन स्कूलों पर जिला शिक्षा अधिकारी नेमा द्वारा जुमार्ने की कार्रवाई की गई और पांच स्कूलों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं। प्रावधानों का उल्लंघन किए जाने पर तीन स्कूलों पर एक लाख 35 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया गया है। इनमें सेंटजान्स स्कूल पर 50 हजार, गुरुनानक स्कूल पर 50 हजार और सोफिया स्कूल पर 35 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। जुमार्ना की राशि वसूल करने के लिए अनुविभागीय दण्डाधिकारी दमोह को अध्यक्ष जिला समिति द्वारा कार्रवाई के लिए पत्र जारी किया गया है। दो पुस्तक विक्रताओं द्वारा विद्यार्थियों, अभिभावकों को बेची की गई पुस्तकों के बिल नहीं देने पर वाणिज्य कर विभाग द्वारा 82 हजार 710 रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि उप सचिव मप्र शासन स्कूल शिक्षा विभाग मत्रालय वल्लभ भवन भोपाल द्वारा पोर्टल पर सत्र 2024-25 की फीस संरचना की प्रविष्टि की अंतिम तिथि 8 जून 2024 निर्धारित की गई है।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट में पाकिस्तान सरकार ने कहा- पीओके हमारा नहीं है

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के इस्लामाबाद हाईकोर्ट में एक याचिका पर सुनवाई चल रही थी। तभी सरकार की ओर से पेश वकील ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) एक विदेशी क्षेत्र है। इसके बाद देश में बवाल मच गया। कोर्ट में एक कश्मीरी कवि और पत्रकार अहमद फरहाद शाह के किडनैपिंग की सुनवाई चल रही थी। पाकिस्तान सरकार के वकील ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट को बताया कि फरहाद पीओके में पुलिस की हिरासत में है और उसे यहां कोर्ट में पेश नहीं किया जा सकता क्योंकि वह विदेशी भूमि पर है। वकीलों ने कहा कि पीओके देश के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। कथित तौर पर 15 मई को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों ने फरहाद को रावलपिंडी स्थित उनके घर से अपहरण कर लिया था। तब से वे लापता हैं और उनकी पत्नी ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट में मामला दर्ज कराया है। हालांकि, यह बात सामने आई थी कि पीओके में फरहाद के खिलाफ 2 पुलिस केस दर्ज हैं। अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल इस्लामाबाद हाईकोर्ट में जस्टिस मोहसिन अख्तर कियानी के पीठ के सामने पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि फरहाद के खिलाफ पीओके के मुजफ्फराबाद और धीरकोट में कम से कम दो कानूनी केस दर्ज हैं। कोर्ट में कवि की पत्नी की याचिका के बाद, जज कियानी ने फरहाद शाह को अदालत में पेश होने का आदेश दिया था। वहीं, कवि की ओर से कोर्ट में पेश वकील इमान मजारी ने बाद में कहा कि अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल खुद स्वीकार कर रहे हैं कि फरहाद वर्तमान में विदेशी जमीन हैं, तो उनको कोर्ट में कैसे पेश कर सकते हैं। इस मुद्दे को लेकर काफी देर तक कोर्ट में गहमा-गहमी हुई। पाकिस्तान टुडे की एक रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल ने कहा कि कश्मीर एक विदेशी क्षेत्र है जिसका अपना संविधान और अपनी अदालतें हैं।

अरुणाचल की 60 में से 46 सीटों पर बीजेपी का परचम

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनी है। भगवा पार्टी ने राज्य की 60 सीटों में से 46 सीटों पर जीत दर्ज की है। बीजेपी विधानसभा की 10 सीटों पर पहले ही निर्विरोध जीत चुकी थी। वहीं कांग्रेस पार्टी को सिर्फ एक सीट से ही संतोष करना पड़ा। बीजेपी ने लुमला, चयांगताजो, सेप्पा (ईस्ट), पालिन, कोलोरियांग, दापोरिजो, रागा, दुमपोरिजो, अलांग (वेस्ट), दाम्बुक, तेजू, चांगलॉन्ग (साउथ), चांगलॉन्ग (नॉर्थ), नामसांग, खोंसा (वेस्ट), बोर्दुरिया-बोगापानी और पोंगचाऊ-वक्का जैसी सीटों पर जीत हासिल की है। इसके अलावा नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीईपी) को 5 सीट पर जीत मिली। पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल ने 2 सीट जीती है।

एनसीपी और कांग्रेस की हालत खस्ता: अरुणाचल प्रदेश में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के खाते में सिर्फ एक सीट आई है। खोंसा ईस्ट सीट निर्दलीय वांग्लाम सविन ने जीत ली है। विपक्षी कांग्रेस ने 19 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन वह कहीं भी जीतती नहीं दिखी। बीजेपी उम्मीदवारों के 10 सीटों पर निर्विरोध चुने जाने के बाद राज्य की शेष 50 विधानसभा सीटों के लिए 19 अप्रैल को मतदान हुआ था।

सीएम पेमा खांडू सहित ये निर्विरोध चुने गए: निर्विरोध चुने जाने वालों में मुक्तो सीट से मुख्यमंत्री पेमा खांडू, चौखम से उप मुख्यमंत्री चौना मीन, ईटानगर से पार्टी के वरिष्ठ नेता टेकी कासो, टलीहा से न्यातो दुकम और रोइंग सीट से मुचू मिथी शामिल हैं। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल आज 2 जून को समाप्त हो गया है।

50 सीटों पर 133 उम्मीदवार थे मैदान में: अरुणाचल प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पवन कुमार सैनी ने बताया कि वोटों की गिनती सुबह छह बजे सभी 24 केंद्रों पर एक साथ शुरू हुई। पोस्टल बैलट की गिनती पूरी होने के बाद ईवीएम के वोटों की गिनती शुरू की गई। राज्य की 50 विधानसभा सीटों पर 133 उम्मीदवार मैदान में थे जबकि दो लोकसभा सीटों पर 14 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो चुकी है। दोनों लोकसभा सीटों के लिए मतों की गणना 4 जून को देश की अन्य लोकसभा सीटों के साथ ही होगी।

4 जून के बाद राज्य में बनेगी सरकार: लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद अरुणाचल प्रदेश सरकार के गठन का कार्यक्रम तय होगा। सूत्रों के अनुसार 4 जून की रात को बीजेपी पार्लियामेंट्री की बैठक हो सकती है। इसमें केंद्रीय सरकार के गठन और शपथ ग्रहण की तारीख और अरुणाचल प्रदेश के लिए पर्यवेक्षक भी तय किए जाएंगे। सूत्रों के अनुसार प्रेमा खांडू फिर से अरुणाचल प्रदेश के सीएम बन सकते हैं।

सिक्किम की 32 में से 31 सीटों पर एसकेएम का कब्जा

नई दिल्ली। सिक्किम की 32 विधानसभा सीटों में से 31 पर प्रेम सिंह तमांग के नेतृत्व में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) ने एकतरफा जीत दर्ज की है। सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) ने एकमात्र श्यारी विधानसभा सीट पर जीत हासिल की है। एसकेएम को 58.38 और एसडीएफ को 27.37 फीसदी वोट मिले। भाजपा को 5.18 फीसदीऔर कांग्रेस को नोटा से भी कम 0.32 फीसदी मत मिले। नोटा को 0.99 फीसदी वोट मिले। सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट को सिर्फ एक सीट श्यारी विधानसभा पर जीत नसीब हुई है। यहां से एसडीएफ के तेनजिंग नोरबू लाम्था ने 1314 मतों से जीत दर्ज की है। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया को बारफुंग विधानसभा सीट पर सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के प्रत्याशी रिक्शल दोरजी भूटिया ने 4346 मतों के अंतर से हराया है।

पूर्व सीएम पवन कुमार चामलिंग दोनों सीटों से हारे सिक्किम की नामचेयबुंग और पोकलोक-कामरंग विधानसभा सीटों से पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग चुना हार गए हैं। उन्हें नामचेयबुंग सीट पर 2256 और पोकलोक-कामरंग सीट पर 3063 मतों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। प्रेम सिंह तमांग ने 2013 में बनाई थी पार्टी चामलिंग की अगुवाई वाले एसडीएफ के संस्थापक सदस्य रहे प्रेम सिंह तमांग ने पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ बगावत कर 2013 में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा बनाया था। उन्होंने एसडीएफ पर भ्रष्टाचार और कुशासन का आरोप लगाया था। गठन के अगले ही साल 2014 के विधानसभा चुनावों में एसकेएम ने 10 सीटें जीती थीं। नेपाली भाषी माता-पिता कालू सिंह तमांग और धान माया तमांग के बेटे प्रेम सिंह तमांग का जन्म 5 फरवरी 1968 में हुआ था। उन्होंने दार्जिलिंग के एक कॉलेज से बीए किया और एक सरकारी स्कूल में शिक्षक के रूप में काम करना शुरू किया। तमांग ने समाज सेवा के लिए तीन साल की सेवा के बाद सरकारी नौकरी छोड़ दी और फिर एसडीएफ में शामिल हो गए। उनकी तीन दशक की राजनीतिक यात्रा काफी उतार चढ़ाव वाली रही है। वे 1994 से लगातार पांच बार सिक्किम विधानसभा के लिए चुने गए। उन्होंने 2009 तक एसडीएफ सरकार में मंत्री के रूप में कार्य किया। एसडीएफ सरकार के चौथे कार्यकाल (2009-14) के दौरान चामलिंग ने उन्हें मंत्री पद देने से इनकार कर दिया। इसके बाद तमांग ने पार्टी छोड़ दी और अपना दल बनाया. उन्होंने एसडीएफ के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया और एसकेएम प्रमुख के रूप में जिम्मेदारी संभाली। 2016 में तमांग को 1994 और 1999 के बीच सरकारी पैसे की हेराफेरी करने के लिए दोषी ठहराया गया था और बाद में विधानसभा में उनकी सदस्यता समाप्त कर दी गई थी। प्रेम सिंह तमांग राज्य के पहले ऐसे राजनेता थे जिन्हें सजा मिलने के बाद विधानसभा से निलंबित कर दिया गया था।

छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में स्पोर्टस सेंटर व होटल राधे कृष्ण में लगी भीषण आग, कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका

अंबिकापुर। शहर के आकाशवाणी चौक के समीप चोपड़ापारा स्थित स्पोर्टस सेंटर व होटल राधे कृष्ण में लगी भीषण आग। भूतल में स्पोर्टस सेंटर व उपर के तल में होटल का होता है संचालन। दमकल की कई वाहनें आग बुझाने में जुटी है। होटल में कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। पुलिस व प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर मौजूद है। शार्ट सर्किट से आग लगने की संभावना है। खेल सामग्रियों के साथ जूते, कपड़े होने के कारण आग तेजी से फैली है। एक ही बिल्डिंग में दोनों व्यवसायिक प्रतिष्ठान संचालित है। घना रिहायशी और व्यवसायिक क्षेत्र होने के कारण अफरातफरी का माहौल बना हुआ है। अगल-बगल के घरों व दुकानों में आग लगने की संभावना पर लोगों को सुरक्षित तरीके से बाहर निकाल दिया गया है। रिंग रोड से लगा क्षेत्र होने तथा लोगों की भारी भीड़ से यातायात बाधित हो रही थी। भीड़ को हटाकर आग पर काबू पाने पूरा प्रयास किया जा रहा है। चार मंजिला बिल्डिंग के सभी तल में आग फैल चुकी है।भूतल पर आग बुझा लिया गया है लेकिन उपर के तल में सामान धू-धू कर जल रहे हैं।

जल चेतना बढ़ाने की पहल: 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस को मप्र सरकार ने यादगार बनाने की ठानी

सीएम मोहन यादव बोले- नमामि गंगे अभियान में भाग लें प्रदेशवासी

भोपाल। आगामी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने इस दिन को यादगार बनाने की ठानी है। उन्होंने प्रदेशवासियों से नमामि गंगे अभियान में पूर्ण उत्साह के साथ भाग लेने का आह्वान किया है। नमामि गंगे अभियान 5 जून को पर्यावरण दिवस से शुरू होकर 16 जून गंगा दशहरा तक चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि इन दस दिनों के दौरान सभी जल स्त्रोतों की साफ-सफाई होगी। साथ ही जल चेतना बढ़ाने के लिए विशेष गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण के संबंध में जागरुकता अभियान जरूरी है। उन्होंने प्रदेशावासियों से आह्वान किया कि 5 जून से 16 जून तक चलने वाले नमामि गंगे अभियान में सक्रियता से बढ़ चढ़ कर हिस्सा लें। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रकृति और पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि वृक्षों और जल से ही हमारी पूरी धरती समृद्ध है. वन संपदा और जल ही हम सबके जीवन का आधार है। अगर ये नहीं बचेंगे तो हम सबका जीवन भी संकट में पड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण पर केंद्रित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन होगा और जनभागीदारी से नदी, तालाब, कुंए, बावड़ी की साफ-सफाई होगी। सीएम ने कहा कि जनसामान्य में जल के प्रति चेतना बढ़ाने के लिए गतिविधियां संचालित की जाएंगीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम मध्यप्रदेश सरकार द्वारा संचालित की जाने वाली जल चेतना संबंधित गतिविधियों का हिस्सा बनें और जल पर केंद्रित पर्वों से जुड़कर इनके पीछे छुपे रहस्यों को भी समझें।

चुनाव खत्म होते ही महंगी हुई सड़क यात्रा, देशभर में बढ़ गए टोल के रेट

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने टोल टैक्स में बढ़ोतरी कर दी है। नई दरें रविवार रात 12 बजे से लागू हो गई हैं। अधिकारियों ने कहा कि सोमवार से पूरे देश में सड़क टोल शुल्क में 3-5त्न की वृद्धि होने वाली है। बता दें कि देश में आम चुनावों के कारण अप्रैल में वार्षिक वृद्धि को रोक दिया गया था। भारत में टोल शुल्क मुद्रास्फीति के अनुरूप सालाना संशोधित किए जाते हैं और राजमार्ग संचालकों ने सोमवार से लगभग 1,100 टोल प्लाजा पर 3त्न से 5त्न की वृद्धि की घोषणा करते हुए नोटिस प्रकाशित किए हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कि चूंकि चुनाव प्रक्रिया समाप्त हो गई है, इसलिए उपयोगकर्ता शुल्क (टोल) दरों में संशोधन किए गए हैं। इसे चुनावों के दौरान रोक दिया गया था जो अब 3 जून से प्रभावी हो रहा है। एनएचएआई की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, देशभर में टोल टैक्स में 5 फीसदी का इजाफा हुआ है। टोल बैरियर के 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों के लिए मासिक पास बनवाने के रेट भी बढ़े हैं। टोल बैरियर के 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को प्रति माह फास्ट टैग के लिए अब 10 रुपये ज्यादा देने पड़ेंगे। मासिक फास्ट टैग अब 330 की बजाया 340 रुपये में बनेगा। मध्य प्रदेश में 10 टोल नाकों पर टोल टैक्स बढ़ाया गया है। इसमें से चार नेशनल और छह स्टेट हाईवे के टोल हैं, जहां टैक्स में वृद्धि हुई है। थोक मूल्य सूचकांक की दर सामने आने के बाद यह वृद्धि की गई है। रीवा से एमपी-यूपी बॉर्डर, ब्यावरा से एमपी-राजस्थान बॉर्डर, ग्वालियर-भिंड से एमपी-यूपी बॉर्डर, मनगवां से एमप-यूपी बॉर्डर पर टोल टैक्स एक से साढ़े 3 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। भोपाल-देवास, मंदसौर-सीतामऊ, जावरा-नयागांव, लेवड़-मानपुर, चांदपुर-अलीराजपुर, जावरा-नयागांव स्टेट हाईवे पर टोल टैक्स में 7 प्रतिशत तक वृद्धि की गई है।

चुनाव खत्म...पीएम मोदी का काम शुरू

भीषण गर्मी को लेकर की बैठक

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण का मतदान संपन्न होने के अगले ही दिन रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पूर्वोत्तर के राज्यों में बाढ़ और देशभर में भीषण गर्मी की स्थिति की समीक्षा की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने यह भी बताया कि इन बैठकों के बाद प्रधानमंत्री 100 दिन के कार्यक्रम के एजेंडे की समीक्षा के लिए एक लंबे मंथन सत्र में भी भाग ले रहे हैं। मालूम हो कि चार जून को लोकसभा चुनाव में पड़े वोटों की काउंटिंग होनी है। अधिकारियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री की सबसे पहली बैठक पूर्वोत्तर में चक्रवात रेमल के बाद उत्पन्न हुई बाढ़ की स्थिति को लेकर हुई। उन्होंने विभिन्न विभागों के शीर्ष अधिकारियों के साथ मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने देश में भीषण गर्मी और लू की स्थिति को लेकर हुई एक समीक्षा बैठक की भी अध्यक्षता की। प्रधानमंत्री बड़े पैमाने पर विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की तैयारियों की समीक्षा के लिए भी एक बैठक में शामिल होने वाले हैं। विश्व पर्यावरण दिवस पांच जून को मनाया जाता है। प्रधानमंत्री की ये बैठकें लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण का मतदान संपन्न होने के अगले दिन हो रही है। मतदान संपन्न होने के बाद अधिकांश एग्जिट पोल में अनुमान लगाया गया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार फिर से सत्ता में वापसी कर सकती है। चुनाव परिणाम चार जून को सामने आएंगे। लोकसभा चुनाव शुरू होने से बहुत पहले मोदी ने नयी सरकार के लिए 100 दिन का एजेंडा तैयार करने के वास्ते विभिन्न सरकारी मंत्रालयों को काम सौंपा था। उन्होंने अपनी मंत्रिपरिषद से पहले 100 दिनों के लिए कार्यक्रमों और पहलों को प्राथमिकता देने के लिए कहा है।

सिंगल कॉलम

युवक बेच रहा था कैरी बैग, 10 हजार का स्पॉट फाइन और सामग्री जब्त

इंदौर। इंदौर के मल्हारगंज मंडी इलाके में बाइक पर एक युवक अमानक पॉलीथिन कैरी बैग बेचते हुए पकड़ाया है। नगर निगम की टीम ने 10 हजार रुपए का स्पॉट फाइन किया है। शहर को सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री अभियान के तहत ये कार्यवाही की गई। नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार शहर को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त करने के लिए लगातार चेकिंग की जा रही है। रविवार को झोन क्रमांक 1 वार्ड क्रमांक 8 के अंतर्गत मल्हारगंज मंडी में बाईक पर सिंगल यूज प्लास्टिक और अमानक पॉलीथिन कैरी बैग का विक्रय करते हुए युवक को पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम मनीष जैन बताया। सीएसआई सौरभ साहू द्वारा 10 हजार रुपए का स्पॉट फाइन किया गया। साहू ने बताया कि मल्हारगंज मंडी में वाटर बॉडी के निरीक्षण के दौरान एनजीओ टीम डिवाइन द्वारा एक नागरिक को बाईक पर अमानक प्रतिबंधित पॉलिथीन बेचते हुए पाया गया। जिस पर निगम की स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौका स्थल पर ही युवक मनीष जैन मल्हारगंज जिंसी हाट के खिलाफ स्पॉट फाइन की कार्यवाही की। बता दें इंदौर को सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री बनाने के लिए निगम जागरूकता अभियान भी चला रहा है। व्यावसायिक क्षेत्र और सब्जी मंडी में मैं हूं झोलाधारी इंदौर अभियान के तहत श्री आर थैला बैंक के माध्यम से कपड़े के थैले का वितरण किया जा रहा है। दुकानदार और लोगों को कपड़े का झोला इस्तेमाल करने की समझाइश भी दी जा रही है।

बिना अनुमति पेड़ काटने पर लगाया 10 हजार रुपए का स्पॉट फाइन

इंदौर। नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने शहर में अवैध पेड़ कटाई करने वाले के खिलाफ चालानी कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। झोन क्रमांक 11 सीएसआई हिमांशु गुप्ता द्वारा वार्ड क्रमांक 45 सेवा सरदार नगर में बिना अनुमति के पेड़ कटाई करने पर 10 हजार रुपए का स्पॉट फाइन किया है।

उद्यान प्रभारी जितेंद्र जमीदार ने बताया कि बीते दिनों शिकायत मिली थी कि झोन क्रमांक 11 वार्ड क्रमांक 48 के तहत सेवा सरदार नगर में बिना अनुमति के पेड़ कटाई की जा रही है, जिस पर निगम उद्यान विभाग की टीम द्वारा मौका पर जाकर पेड़ कटाई रोकी गई। पेड़ काटने पर गिरीश खंडेलवाल 7 डी सेवा सरदार नगर पर 10 हजार रुपए का स्पॉट फाइन किया गया है। पेड़ कटाई के उपकरण भी किए जब्त कर चेतावनी दी गई है।

नशा ऑपरेशन ईगल, एडिशनल डीसीपी ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

इंदौर। इंदौर में लगातार नशाखोरी को लेकर पुलिस कार्रवाई कर रही है। जिसमें अब तक 250 से ज्यादा ड्रग पैडलर पर कार्रवाई की गई है। इसमें एडिशनल डीसीपी ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया। जानकारी देने वाले का नाम गुप्त रखने की बात की गई। एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह ने रविवार को नशे के खिलाफ चल रही मुहिम को लेकर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि पिछले 5 दिनों में शहर में बड़ी कार्रवाई की गई है। उन्होंने ऑपरेशन ईगल क्लॉ की शुरूआत कर हेल्पलाइन नंबर 7049108852 जारी कर हेल्प डेस्क भी बनाया। जिसकी मॉनिटरिंग डीसीपी करेंगे। नशाखोरी को लेकर इसमें शिकायत करने की बात कही गई है। उधर, द्वारकापुरी और राजेन्द्र नगर की सीमा में लगने वाली अहीरखेड़ी बिल्डिंग में रविवार शाम पुलिस ने छापामार कार्रवाई की। यहां गांजा और ड्रग्स की सूचना के बाद पुलिस की टीमें पहुंची थी। करीब 100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को यहां सर्चिंग में लगाया गया। इस मामले में कुछ संदिग्ध लोगों को पकड़ा भी गया।

पिपलियापाला तालाब में कम हुई ऑक्सीजन सैकड़ों मछलियों की मौत

इंदौर। पिपलियापाला तालाब का पानी कम होने व प्रदूषित होने का असर अब नजर आ रहा है। तालाब की सैकड़ों मछलियां मरकर किनारे पर आ गई हैं। मरी हुई मछलियों को नगर निगम उठवा भी नहीं पा रहा है। इस कारण बदबू रीजनल पार्क के कई हिस्सों में फैल रही है। तालाब का जलस्तर कम हो गया है। गर्मी के कारण पानी में ऑक्सीजन की मात्रा कम हो रही है। जो मछलियों की मौत की वजह बन रही है।

पिपलियापाला तालाब में बारिश का पानी एकत्र होता है। मार्च तक तालाब का जलस्तर ठीक था, लेकिन बीते दो माह में तालाब का जलस्तर तेजी से कम होने लगा। तालाब में मछली पालन भी होता है। जलस्तर कम होने के बाद तालाब में पानी प्रदूषित होने लगा है और उसमें ऑक्सीजन की मात्रा कम हो गई है। पार्क के कर्मचारियों का कहना था कि पहले चार दिन ज्यादा मछलियां नहीं मरी थीं, लेकिन शनिवार से किनारे पर सैकड़ों मरी हुई मछलियां नजर आईं। रीजनल पार्क पर सुबह कई लोग जॉगिंग के लिए आते हैं। उन्हें भी मरी हुई मछलियों की बदबू के कारण परेशान होना पड़ा रहा है।

इंदौर में रोज पेड़ कट रहे लेकिन कोई बोलने वाला नहीं

सिटी चीफ इंदौर।

किसी समय इंदौर के एक ही क्षेत्र में 9 लाख पेड़ थे, इसलिए नाम पड़ गया नौलखा। पलासिया, लालबाग, पीपली बाजार, इमली बाजार, बड़वाली चौकी आदि जगहों के नाम भी बाग बगीचों के कारण ही पड़े, लेकिन अब विकास के नाम पर यहां बड़ी संख्या में पेड़ काटे जा रहे हैं। 70 के दशक में शहर में हरियाली 30 प्रतिशत थी, जो अब घटकर मात्र 9 प्रतिशत रह गई है। इस वजह से शहर का तापमान भी बढ़ा। इसकी एक वजह है बड़ी संख्या में पेट्रोल जनित वाहनों की संख्या में वृद्धि होना। आज 35 लाख की आबादी वाले इंदौर मे 27 लाख वाहन है। इंदौर को हमने साफ-सफाई में तो नंबर वन बना दिया, शिक्षा में भी हब बना दिया और अब आवश्यकता है कि यह शहर हरियाली में भी हब बने। इसके लिए पुराने पेड़ों को कटने से बचाना होगा और बड़ी संख्या में नए पौधे भी लगाने होंगे।

ये विचार हैं विभिन्न पर्यावरणविदों और प्रबुद्धजनों के जो उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व बेला में संस्था सेवा सुरभि द्वारा हरियाली, हवा और पानी की सलामती के लिए आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। यह कार्यक्रम इंदौर प्रेस क्लब सभागार में हुआ। प्रारंभ में स्वागत भाषण देते हुए कुमार सिद्धार्थ ने कहा कि इंदौर कहीं बेंगलूरु और चेन्नई नहीं बन जाए इस पर ध्यान देने की जरूरत है। इस मौके पर सेवा सुरभि की ओर से सामाजिक कार्यकर्ता अनिल त्रिवेदी और कमलेश सेन ने देवी अहिल्या बाई होलकर का चित्र प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी को भेंट किया।

टॉप 50 शहरों में देश के 42 शहर प्रदूषित हैं

पहले वक्ता के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता अजीतसिंह नारंग ने कहा कि किसी भी शहर का विकास हवा, पानी और हरियाली के आधार पर होना चाहिए। दुर्भाग्य से हमारे नीति निमार्ताओं ने ऐसा नहीं किया। इस वजह से वर्ष 2023 बीते 122 वर्षों में सर्वाधिक गर्म रहा। वर्ष 1851 से 1900 के मध्य तापमान में मात्र दशमलव चार फीसदी की बढ़ोतरी हुई जबकि पिछले 20 वर्षों में इससे डेढ़ गुणा अधिक वृद्धि हुई। अब हिट वेव के दिन भी बढ़ गए और ठंड के दिन कम होते जा रहे हैं। देश में छोटी बड़ी मिलाकर 113 नदियां हैं और एक हजार सहायक नदियां हैं। देश में एवरेज 46 इंच वर्षा होती है इसके बावजूद देश के 630 जिलों में से आधे जिलों में जल संकट बना हुआ है। अकेला इंदौर शहर हर वर्ष 70 से 90 करोड़ रुपए का नर्मदा का पानी बर्बाद कर रहा है। वर्ष 2017 में कुछ शहर ही प्रदूषित थे, आज टॉप 50 शहरों में देश के 42 शहर प्रदूषित हैं। हमें मास्टर प्लान में सबसे अधिक पर्यावरण का ध्यान रखने की जरूरत है लेकिन हमने पेड़ों को काटकर सीमेंट कांक्रीट के जंगल खड़े कर दिए हैं, जो गलत है।

इंदौर शहर की पहचान ही समाप्त कर दी

पर्यावरणविद् डॉ. ओ .पी. जोशी ने कहा कि हमने हरियाली की समाप्ति के साथ साथ इस इंदौर शहर की पहचान ही समाप्त कर दी। बाग -बगीचों का शहर था इंदौर। कोठारी मार्केट और नंदलालपुरा में भी बगीचे थे, जो अब नहीं है। होल्करों के राज में पर्यावरण के प्रति इतनी अधिक संवेदनशीलता थी कि यदि कोई व्यक्ति एक पेड़ की डाली भी काट लेता तो वह दंडनीय अपराध था। आज तो पूरे के पूरे पेड़ काटे जा रहे और कोई बोलने वाला नहीं है। अकेले एमओजी लाइन में 500 पेड़ काट दिए गए। कपड़ा मिलों की जमीनों पर कई पेड़ डेड घोषित हो गए। अन्नपूर्णा रोड पर 150 पेड़ काट दिए। आज भी बड़ी संख्या में पेड़ों की अवेध कटाई जारी है। विकास की आड़ में पेड़ों को काटा जा रहा है। इस वजह से जहां हरियाली मे भी कमी आई वहीं तापमान में वृद्धि हुई है। आवश्यकता है वर्षों पुराने पेड़ों को कटने से बचाएं। निगम प्रशासन उन्हें हरित धरोहर घोषित करें। ऐसी योजनाएं बनाएं जिसमें हरियाली बनी रहे। जब 2022 में हैदराबाद शहर ग्रीन हब बन सकता है तो इंदौर क्यों नहीं। आज ग्रीन फारेस्ट, अहिल्या वन जैसी योजना को साकार करने की जरूरत है।

वायु प्रदूषण की वजह से भी बंद हुई कपड़ा मिलें

पर्यावरणविद् डॉ. दिलीप वाघेला ने कहा कि हवा ही सबसे अच्छी दवा है। आवश्यकता है कि हमारी आबोहवा शुद्ध रहे। 1983 में भोपाल गैस कांड के बाद वायु शुद्धिकरण पर सबका ध्यान गया। वर्ष 1985 में वायु प्रदूषण निवारण नियम बने। कपड़ा मिलें बंद होने का एक कारण यह भी रहा कि वहां वायु प्रदूषण बहुत होता था। वर्ष 1986 में ऐसे उपकरण खरीदे गए जिससे वायु प्रदूषण की मानिटरिंग की जा सके। वर्ष 1987 में प्रदेश में सबसे पहले इंदौर में परिवेशीय वायु गुणवत्ता मापन केंद्रों की स्थापना हुई, तब 4 केंद्रों पर सप्ताह में दो दो दिन 24 घंटे मानिटरिंग कार्य किया जाता था। अब इंदौर में कुल 10 परिवेशीय वायु मापन केंद्र है। वर्ष 2013 के बाद से प्रशासन ने वायु प्रदूषण के चलते बड़े उद्योगों को चलाने की अनुमति देना बंद किया एवं कचरे को जलाना प्रतिबंध किया क्योंकि इससे हवा प्रदूषित होती है। धूल के महीन कणों से शरीर में रोग बढ़ने लगे।

भूजल को दोहन अधिक हो रहा

जल विशेषज्ञ एवं पर्यावरणविद् डॉ.सुधींद्र मोहन शर्मा ने कहा कि जितना भूजल का दोहन अमेरिका और चीन करते हैं उतना अकेला भारत करता है लेकिन भूजल बढ़ाने के लिए हम प्रयास कम करते हैं यानी जितना जल का हम दोहन करते हैं उतना उसका संरक्षण नहीं करते, इस मामले में इंदौर अलग है। वह जितना जल भूमि से ले रहा है उससे अधिक का संरक्षण कर रहा है। हमारे यहां जल का सबसे अधिक उपयोग खेती में होता है। उसके बाद घरेलू कार्यों में और उससे कम उद्योगों में सांवेर और देपालपुर जल के अतिदोहन क्षेत्र हैं।

पोस्टर का विमोचन किया

सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. रजनी भंडारी और मेघा बर्वे ने पर्यावरण पोस्टर का विमोचन किया। अतुल सेठ, हरेराम वाजपेई, मोहन अग्रवाल ने पर्यावरण मित्र मुकेश वर्मा का सम्मान किया, जिन्होंने पिछले 10 वर्षों में 100 से अधिक पेड़ों को कटने से बचाया। अतिथि स्वागत ओमप्रकाश नरेड़ा, नरेंद्र सिंघल, गोविंद मंगल, रामेश्वर गुप्ता, डॉ. भोलेश्व ंदुबे, दीपक अधिकारी, मुरली धामानी, पवन अग्रवाल आदि ने किया। अतिथियों को प्रतीक चिन्ह समाजसेवी मुकुंद कुलकर्णी, अनिल गोयल, कमल कलवानी और पंकज कासलीवाल ने प्रदान किए। प्रारंभ में सेवा सुरभि के संयोजक ओम प्रकाश नरेडा, अजीत सिंह नारंग, डॉ ओ पी जोशी, अनिल त्रिवेदी आदि ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संचालन किया संस्कृतिकर्मी संजय पटेल ने। राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

सीवर लाइन के ठेकेदारो ने चित्रकूट की सड़कों को किया नेस्तनाबूत, आने वाली बारिश में होगा निकलना मुश्किल

उमेश कुशवाहा

चित्रकूट सतना- धार्मिक नगरी चित्रकूट में नगर की नालियां यदि इसी तरह गंदगी से बजबजाती रहीं तो ठीक 15 दिन बाद आने वाली बारिश में नगर वासियों को घरों में बाढ़ का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि नगर के हालात कुछ ऐसा ही बयां कर रहे हैं। कहीं भी किसी भी वार्ड के अंदर जाकर आप देख सकते हैं कि सड़कों के किनारे की नालियां किस तरह से गंदगी से शराबोर हो रही हैं, पॉलीथिन, पन्नी और कचरे से नालियां चोक हो गई है तो वही मिट्टी से भी नालियां जगह जगह पटी हुई हैं, ऐसी दशा में जब भी बारिश होगी तो नालियों पर उफान के कारण नालियों की गंदगी लोगों के घरों में जाएगी इतना ही नहीं नालियों का पानी जब घरों में भरेगा तब बाढ़ जैसा नजारा होगा और संक्रमण की वजह से नगरवासी बीमारियों की चपेट में भी होंगे।

आपको बता दें कि काफी लंबे समय से चित्रकूट नगर की नालियां साफ नहीं कराई गई जो अब आने वाले समय में नगरवासियों के लिए बारिश आफत बनकर आएगी, कुल मिलाकर चित्रकूट नगर परिषद द्वारा यदि समय रहते नगर

की नालियों की सफाई नहीं कराई गई तो आने वाले समय में हालात बेकाबू होंगे, नगर परिषद को वैसे भी बारिश के लगभग एक माह पहले से नगर की नालियों की सफाई कराई जानी चाहिए इसके लिए बाकायदा लगातार स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को भी जागरूक किया जाना चाहिए और स्वछता टीम के जरिए नालियों की सफाई करके आने वाली बाढ़ से नगर वासियों को निजात दिलाई जा सकती है। अब देखना ये है कि नगर परिषद के अधिकारी इस समस्या पर कितना अमल करते हैं।

पैडल मारकर जीपीएस पर उकेर दी साइकिल की आकृति

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में 300 साइकिल सवारों ने रविवार को पैडल मारकर जीपीएस नक्शे पर साइकिल की आकृति उकेर दी। हर साल तीन जून को मनाए जाने वाले विश्व साइकिल दिवस से एक दिन पहले इस कारनामे को स्थानीय समूह द पैडल एन्थुजिएस्ट्स ने अंजाम दिया। इसमें 45 महिला साइकिल सवार शामिल थीं। यह समूह पिछले चार महीने से इस कारनामे की तैयारी कर रहा था।

समूह के प्रमुख अमोल वाधवानी ने बताया कि साइकिल सवारों ने जीपीएस ड्रॉइंग से साइकिल की आकृति उकेरने के लिए पहले से तय रास्ते पर 25 किलोमीटर का सफर तय किया। इसके लिए हम चौड़ी सड़कों से लेकर संकरी गलियों तक से गुजरे। इस कारनामे का मकसद था कि विश्व साइकिल दिवस के मौके पर कोई अनूठी गतिविधि आयोजित की जाए। उन्होंने बताया कि यह गतिविधि शहर के गांधी हॉल के पास से शुरू हुई और साइकिल सवारों के 25 किलोमीटर के सफर के बाद उसी जगह खत्म हुई जहां से इसे शुरू किया गया था। इस गतिविधि में अलग-अलग उम्र के साइकिल सवार शामिल हुए।

जीपीएस ड्राइंग को जीपीएस आर्ट के रूप में भी जाना जाता है। जीपीएस ड्राइंग के लिए साइकिल सवार जीपीएस नक्शे पर कोई खास आकृति उकेरने के लिए लगातार अभ्यास के बाद सही रास्ते का चुनाव करते हैं। फिर इस रास्ते पर साइकिल चलाने की गतिविधि को ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) से जुड़े मोबाइल ऐप पर दर्ज किया जाता है। गतिविधि समाप्त होने पर इस ऐप की मदद से जीपीएस नक्शे पर यात्रा के मार्ग से संबंधित आकृति उभर आती है।

बारूद के ढेर पर राजवाड़ा, सराफा, रानीपुरा और कपड़ा बाजार, एक चिंगारी हो सकती विकराल

सिटी चीफ इंदौर।

राजवाड़ा, सराफा, जेल रोड, रानीपुरा, शकर बाजार, कपड़ा बाजार, सीतलामाता बाजार जैसे इंदौर के दर्जनों ऐसे क्षेत्र हैं, जो बारूद के ढेर पर खड़े हैं। इन बाजारों की तंग गलियों में चार पहिया वाहन तो दूर दोपहिया से गुजरना भी मुश्किल है। लापरवाही का आलम यह है कि दुकानदार पहले से तंग इन गलियों में दुकानों के आगे अतिक्रमण कर लेते हैं और निगम के जिम्मेदारों के कान पर जूं तक नहीं रेंगती। दिन के वक्त इन सभी पुराने बाजारों में खरीदारों की जबर्दस्त भीड़ रहती है जबकि रात होते ही ये खाने-पीने के ठियों में बदल जाते हैं। आग लगने की स्थिति में इन बाजारों की तंग गलियों में

इतनी जगह तक नहीं होती कि दमकलें निकल सकें। ऐसा भी नहीं कि शहर के जिम्मेदारों को इस बात की जानकारी नहीं है, लेकिन ऐसा लगता है जैसे सभी आंख मूंदकर किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं। सबसे बदतर स्थिति राजवाड़ा से सटे सराफा, पीपली बाजार, सीतलामाता बाजार, रानीपुरा जैसे सघन बाजारों के हैं। किसी समय ये बाजार मुख्य सड़क पर ही लगते थे, लेकिन समय की मांग के चलते इन बाजारों ने अपने आपको आसपास की गलियों को भी अपने कब्जे में ले लिया है। स्थिति यह है कि शहर के ज्यादातर बाजारों के आसपास की गलियों में पैर रखने तक की जगह नहीं मिलती। ये बाजार पूरी तरह से अग्निशमन विभाग के भरोसे हैं। इन बाजारों से फायर ब्रिगेड कार्यालय भले ही ज्यादा दूर न हो, लेकिन सघन बाजारों के चलते मौके पर पहुंचना दमकलों के लिए आसान नहीं। दमकल बाजारों की मुख्य सड़क तक पहुंच भी जाएं तो गलियों में पहुंचना इनके लिए आसान नहीं।

इंदौर में युवक को डेटिंग एप से मिलने बुलाकर चेन-मोबाइल और रुपये लूटे

इंदौर। अनजान से दोस्ती कर मुलाकात करना एक युवक को भारी पड़ गया। डेटिंग एप के जरिए बात कर मिलने पहुंचा तो दो आरोपितों ने उसकी चेन, मोबाइल और 74 हजार रुपये लूट लिए। खजराना पुलिस ने लूट का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपित की मोबाइल नंबर, यूपीआइ एप की आइडी से तलाश की जा रही है। इंदौर में एसआइ अजयसिंह कुशवाह के मुताबिक राहुल लीलाराम बानिया निवासी शिवशक्ति(एलआइजी) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। राजगढ़(सादलपुर) निवासी राहुल पढ़ाई करता है। उसकी एक डेटिंग एप के माध्यम से एक युवक से दोस्ती हुई थी। दोनों एप और वाट्सएप पर चेटिंग करने लगे थे। राहुल ने शनिवार को उससे बात की और रात करीब 10:30 बजे मिलने पहुंच गया। आरोपित ने स्टार चौराहा के समीप सुनसान जगह पर बुलाया था।

इंदौर में दस दिन बाद शुरू होगी प्री मानसून एक्टिविटी पश्चिमी हवा देगी राहत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर ने इस साल भीषण गर्मी को झेला और अब लोग बारिश के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बार मानसून सही वक्त पर केरल आ चुका है और अब लोगों को इसके मप्र में दस्तक देने का इंतजार है। मौसम विभाग के मुताबिक दस जून के आसपास इंदौर में प्री मानसून एक्टिविटी शुरू हो सकती है। पिछले साल मई से ही अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में सिस्टम बनने की शुरूआत हो गई थी। प्री मानसून एक्टिविटी शुरू हो गई थी और मानसून घोषित होने के पहले ही तीन इंच तक पानी बरस गया था। इस बार ऐसी स्थिति नहीं है। मानसून बरसने का अधिकृत

खाता एक जून से शुरू हो गया है लेकिन इस बार दस जून के आसपास प्री-मानसून की गतिविधि शुरू होने के आसार हैं। राहत यह जरूर रहेगी कि अधिकतम तापमान 40 डिग्री या इससे कम ही रहने वाला है। पश्चिमी हवा रफ्तार से चलती रहेगी। इनमें ठंडक होने की वजह से गर्मी का अहसास बहुत अधिक नहीं होगा।

20 जून के आसपास घोषित होगा मानसून

केरल में मानसून पहुंच चुका है। हमारे यहां 20 जून या इसके बाद ही मानसून घोषित होने की स्थिति बनती है। मानसून रफ्तार पकड़ता है, तेजी से आगे बढ़ता है तो 20 जून के पहले भी आ सकता है। पर मौजूदा परिस्थिति को देखते हुए ऐसा होने की उम्मीद कम है। नौतपा के बचे दिन भी तपने वाले नहीं है। सुबह के समय हलके बादल, फिर साफ और शाम को हलके बादल का दौर चलता रहेगा। पहले इंदौर में मानसून घोषित होने की अधिकृत तारीख 18 जून रहा करती थी। इसे आगे बढ़ाकर अब 20 जून कर दिया है। पिछले साल भी 25 जून को मानसून घोषित किया गया था।

नौतपा के 5 दिन सबसे गर्म रहे

बता दें कि सूर्य के कृतिका से रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने के साथ ही 25 मई से नौतपा शुरू हो गया था। पिछले 10 में से 5 साल नौतपा में भीषण गर्मी पड़ने का ट्रेंड रहा है। इस बार भी लगातार 5 दिन तक भीषण गर्मी पड़ी रही है। छठे और सातवें दिन कई जिलों में टेम्प्रेचर में गिरावट हुई। शनिवार को भी कुछ जिलों में गर्मी रही तो कुछ जिलों में बारिश हुई।

बैरागढ़ सिविल अस्पताल में रेडियोलाजिस्ट नहीं, मेडीकल आफिसर की भी कमी

सिटी चीफ भोपाल।

संत हिरदाराम नगर एवं आसपास के ग्रामीण इलाकों की करीब दो लाख आबादी बैरागढ़ सिविल अस्पताल पर निर्भर है इसके बावजूद अस्पताल में लंबे समय से रेडियोलाजिस्ट का पद खाली है। प्रसूती के लिए आई महिलाओं को सोनोग्राफी के लिए परेशान होना पड़ता है। मेडीकल आफिसर के दो पद भी खाली हैं। अस्पताल में लंबे समय से चिकित्सकों की कमी महसूस की जा रही थी। अस्पताल पर बैरागढ़ के अलावा आसपास के ग्रामीण जनता के स्वास्थ्य का भार है। एक समय अस्पताल में 22 चिकित्सक हुआ करते थे। अब यह संख्या घटकर 15 रह गइ है। चिकित्सकों की कमी के कारण स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही थीं। अस्पताल प्रबंधन ने कई बार इस संबंध में विभागीय स्तर पर पत्राचार

किया। हाल ही में एनेस्थेशिया एवं पैथालाजिस्ट की नियुक्ति की गई है लेकिन चिकित्सकों की कमी महसूस की जा रही है। सोनोग्राफी के लिए सप्ताह में दो दिन बाहर के चिकित्सक आते हैं। अस्पताल में हर माह 300 से अधिक सोनोग्राफी जांच होती है, इसके बावजूद रेडियोलाजिस्ट नहीं है।

मेटरनिटी विंग के लिए डाक्टर नहीं

अस्पताल में मेटरनिटी विंग का काम अंतिम चरण में है। इसका निर्माण होने से महिलाओं को सुविधा हो जाएगी। इसके साथ ही आधुनिक आपरेशन थियेटर एवं लेबर रूम का निर्माण किया जाएगा। 45 बिस्तर वाला पीएनसी वार्ड एवं आठ बिस्तर वाला आइसोलेशन वार्ड बनाया जा रहा है। नए विंग में गर्भवती महिलाओं के इलाज की विशेष व्यवस्था रहेगी। बर्न यूनिट एवं बच्चों के लिए अलग वार्ड भी बन रहा है पर इसके लिए चिकित्सकों की पदस्थापना अभी तक नहीं की जा सकी है। जब तक चिकित्सक तैनात नहीं होते तब तक इसका लाभ मरीजों को नहीं मिल सकेगा। अस्पताल में मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मेडीकल आफिसर की कमी है। रेडियोलाजिस्ट नहीं है लेकिन सोनोग्राफी के लिए सप्ताह में दो दिन तय हैं। महिला मरीजों को परेशानी नहीं होने दी जाती। डाक्टरों की संख्या बढ़ाने के लिए विभागीय स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं।

-डा. जेके जैन, अधीक्षक सिविल अस्पताल

ठगी के लिए वेबसाइट बनाने वाला आरोपित गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।

साइबर क्राइम पुलिस एक आरोपित अमर लाल बाधवानी को गिरफ्तार किया है, उसके एक साथी त्रि?लोक सिंह को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। हम बता दें कि कटारा हिल्स निवासी राजेंद्र विराज सिंह ने साइबर पुलिस में शिकायत की थी कुल लोगों ने उनसे वेबसाइट के माध्यम से क्रिप्टो में निवेश करने का झांसा दिया था। उनसे कहा गया था रुपयों को तीन गुना कर दिया जाएगा। ऐसा करके आरोपित ने उनसे एक लाख 15 हजार रुपये ठग लिए। जालसाज क्रिप्टोकरेंसी और बिटकाइन की तरह डिजिटल काइन में निवेश कराने व करोड़पति बनाने का सपना दिखाकर ठगी करते थे। भोपाल साइबर पुलिस ने

शातिर जालसाज शाजापुर के त्रिलोक पाटीदार को गिरफ्तार किया था, अब उसके साथी भोपाल के अमर लाल बाधवानी को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों ने फर्जी क्रिप्टो एक्सचेंज बनाकर देशभर के करीब 10 हजार लोगों को जोड़ा और उनसे करीब पांच करोड़ रुपए की ठगी करने का आरोप है।

नर्मदापुरम रोड से बीआरटीएस हटने के बाद ज्यादा कट प्वाइंट देने से बढ़ रही है सड़क दुर्घटना

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी में नर्मदापुरम सड़क मार्ग हादसों का सबब बनता जा रहा है, बीआरटीएस कारिडोर हटने के बाद यहां चौड़ी हुई सड़कों पर दो और चार पहिया वाहन के चालक फर्राटे भर रहे हैं, जिसकी जहां मर्जी हो , वह उस तरफ मुड़ जाता है, इसके कारण आमने - सामने वाहनों के आने के कारण टकरा रहे हैं। इस मार्ग पर बीआरटीएस हटने के बाद करीब सवा सौ हादसे हो चुके हैं और तीन मौतें हो चुकी है। चौंकाने वाली बात यह है कि पुलिस को इस मार्ग पर लापरवाही पूर्वक वाहन चालकों को रोकने के लिए कोई इंतजाम नहीं है। इन फर्राटे भरते वाहनों को रोकने के लिए पुलिस के पास कोई रणनीति नहीं है। हम बता दें कि संत हिरदाराम नगर से लेकर मिसरोद तक का बीआरटीएस कारिडोर को हटाने की कार्रवाई सुस्त रफ्तार से चल रही है, हालत यह है कि नर्मदापुरम मार्ग हाईवे जहां पर वीर सावरकर सेतु से नीचे उतरकर थाना बागसेवनिया तक सड़क पर सीमेंट के स्टापर बीच में रखवा दिया है, इसके आगे बावड़ियां ब्रिज के मुड़ने के लिए पुलिस एक कट प्वाइंट छोड़ दिया है, जिससे अचानक से सड़क पर चलते- चलते वाहन चालक मुड़ जाता है और पीछे से आ रहे वाहन चालक अनियंत्रित होकर हादसे का शिकार होते - होते बचता है, वाहन के मुड़ने से कट प्वाइंट पर मिसरोद की

तरफ से आने वाहन चालक के सामने आने वाले टकराने से भी बचते हैं। बीआरटीएस कारिडारे के समय इस मार्ग को पूरी तरह बंद कर रखा था तो वाहन चालक को पूरा चक्कर लगाकर ब्रिज पर आना होता है, ऐसा ही दानिश नगर के सामने वी मार्ट के सामने के हालत बन रहे हैं। जहां तो जिसकी जहां मर्जी वहां से मुड़ रहा है। कोई रोकने और रोकने वाला नहीं है।

ट्रैफिक दोनों थानों के चेकिंग प्वाइंट

तब इस मार्ग पर ट्रैफिक और थाना पुलिस के चेकिंग प्वाइंट शाम को लग जाते हैं, लेकिन उनको इन कट प्वाइंट से मुड़ने वाले वाहन चालकों से कोई लेना देना नहीं है। वह सिर्फ चेकिंग में व्यस्त रहते हैं।

इनका कहना है

हादसे रोकने के लिए पुलिस को तैनात किया गया है, कट प्वाइंट से लापरवाही से मुड़ने पर पुलिस कार्रवाई कर रही है। श्रद्धा तिवारी डीसीपी

डिस्ट्रिब्यूटर एजेंसी में फर्जी बिल बनाकर सेल्समैन ने की 16 लाख की धोखाधड़ी

सिटी चीफ भोपाल।

आनंद नगर स्थित डिस्ट्रीब्यूटर एजेंसी में धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। जहां के सेल्समैन दानिश खान एजेंसी का सामान फर्जी बिल बनाकर दुकानों पर बेचता था। दानिश एजेंसी में दो साल से काम करता था और मालिक सचिन अग्रवाल विश्वासपात्र था। लेकिन पिछले साल दिसबंर में महीने से उसने मालिक को हेराफेरी करना शुरु कर दिया था और 16 लाख 48 हजार रुपये की धोखाधड़ी की। दानिश डिस्ट्रीब्यूटर एजेंसी का सामान बेचने जिन दुकानों के नाम का बिल बनाता था, उन्हें सामान न पहुंचाते हुए दूसरी दुकानों को बेचकर पैसा अपनी जेब में भर लेता था। उसने जनवरी से दिसंबर

के महीने तक ऐसे 500 फर्जी बिल बनाकर 16 लाख 48 हजार रुपये की धोखाधड़ी की। दानिश ने जिन दुकानों के नाम पर बिल बनाए थे, उन दुकानों से रुपये वसूलने जनवरी में जब सचिन ने फोन किया तो दुकानदारों ने बताया कि हमने आर्डर ही नहीं दिया। इससे धोखाधड़ी का पर्दाफाश हुआ और सचिन ने फरवरी में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पुरानी जेल पर होगी मतगणना, मंगलवार को सुबह से परिवर्तित रहेंगे कई मार्ग

सिटी चीफ भोपाल।

अरेरा हिल्स स्थित पुरानी जेल परिसर में मंगलवार को लोकसभा चुनाव-2024 की मतगणना होगी। इसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता एवं उनके समर्थक भी मौजूद रहेंगे। इसके अतिरिक्त मतगणना कार्य में बड़ी संख्या में कर्मचारी भी अपने-अपने वाहनों से वहां पहुंचेंगे। पुरानी जेल के आसपास सुरक्षा एवं यातायात के दबाव को देखते हुए मंगलवार सुबह छह बजे से कुछ मार्ग परिवर्तित रहेंगे। वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था इस तरह रहेगी। सीआइ कालोनी, पुलिस कन्ट्रोल रूम तिराहा, होमगार्ड टर्निंग एवं कोर्ट चौराहे से पुरानी जेल की ओर आने वाले मार्ग पर समस्त प्रकार (दो-पहिया, चार पहिया, लोकपरिवहन, सभी अनुमति प्राप्त भारी वाहन) के वाहनों का आवागमन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। केवल मतगणना कार्य में संलग्न वाहन ही पुरानी जेल

परिसर की ओर आवागमन कर सकेंगे । स्टेट बैंक आफ इंडिया, मैंदा मिल के पास से सेंट्रल स्कूल-क्रमांक-एक, स्टेट आइटी की तरफ वाले रास्ते से न्यायालय एवं जेल की तरफ आने वाले सामान्य वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। जो वाहन जहांगीराबाद से एपपी नगर की ओर आवागमन करना चाहते हैं, वे वह शब्बन चौराहा, जिंसी चौराहा, बोगदा पुल, प्रभात चौराहा, सुभाष फाटक ओवर ब्रिज, मैदा मिल, बोर्ड आफिस होकर आवागमन कर सकेंगे। प्रत्याशियों एवं मतगणना अभिकर्ता के नाश्ता/भोजन के वाहन पुरानी जेल परिसर के मुख्य द्वार तक आ सकेंगे। आफिस के कर्मचारी अपने आफिस के लिए कोर्ट चौराहा एवं निमार्ण भवन की ओर से जा सकेंगे।

5वीं व 8वीं की पुनः परीक्षा आज से, 2.5 लाख विद्यार्थी होंगे शामिल

सिटी चीफ भोपाल।

मप्र बोर्ड के सरकारी व निजी स्कूलों के पांचवीं व आठवीं कक्षा की पुन- परीक्षा सोमवार से आयोजित की जा रही है। परीक्षा आठ जून तक चलेगी। दोनों परीक्षाओं में करीब ढाई लाख परीक्षार्थी शामिल होंगे। विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने की जिम्मेदारी स्कूल प्राचार्यों की रहेगी। वहीं परीक्षा के दौरान भीषण गर्मी में सुरक्षा एहतियात को लेकर राज्य शिक्षा केंद्र ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस परीक्षा के लिए प्रदेश भर में करीब साढ़े तीन हजार परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। राज्य शिक्षा केंद्र की ओर से पहली बार सभी केंद्रों पर पुन: परीक्षा के लिए ऑनलाइन प्रश्न पत्र भेजेगा। यह पेपर परीक्षा केंद्र पर ही डाउनलोड कर फोटो कॉपी करवाई

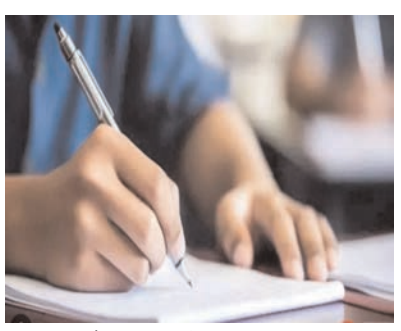

जाएगी और विद्यार्थियों को वितरित किए जाएंगे। इसके साथ ही कुछ केंद्रों पर प्रिंटर की व्यवस्था भी की गई है। परीक्षा का समय सुबह नौ से 11.30 बजे तक रहेगा। वहीं, विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने की जिम्मेदारी स्कूल प्राचार्यों को दी गई है। स्कूल प्राचार्य विद्यार्थियों को केंद्र तक पहुंचाने के लिए परिवहन की व्यवस्था करेंगे। वहीं, भीषण गर्मी से बच्चों, शिक्षकों व अन्य कार्यरत अमले की सुरक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं किए जाने के दिशा-निर्देश दिए गए हैं। निर्देशित किया गया है कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर शीतल पेयजल की व्यवस्था एवं नियमित अंतराल पर बच्चों को पानी पिलाया जाए। परीक्षा केंद्रों पर ओआरएस, इलेक्ट्राल पाउडर, ग्लूकोज पाउडर के पैकेट उपलब्ध कराए जाएं, पंखों की व्यवस्था की जाए, स्वास्थ्य संबंधी विषम परिस्थिति होने की स्थिति में निकट के स्वस्थ्य केंद्र या अस्पताल ले जाने की व्यवस्था भी हो।

साइकिल से की हजारों किमी की यात्रा रोजाना कर रहे 20 से 30 किमी का सफर

सिटी चीफ भोपाल।

किसी ने साइकिल से कश्मीर से कन्याकुमारी का सफर तय किया, तो किसी ने मनाली से लेह का तक का। तो कोई अपनी फिटनेस को बरकरार रखने के लिए रोजाना साइकिलिंग कर रहा है। कोई रोजाना 20 किलोमीटर की साइकिल राइड कर रहा है। अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी से लोग कुछ समय साइकिलिंग के लिए भी निकाल रहे है। बच्चों से लेकर बड़े सभी को साइकिलिंग कर रहे हैं। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर शहर के साइकिलिस्ट से बातचीत की और जाना कि उन्होंने साइकिलिंग की शुरुआत कब से की और अभी तक कहा-कहा साइकिल राइड कर चुके है। साइकिलिस्ट वरुण नामदेव कहते हैं कि चार साल से साइकिलिंग कर रहा हूं। इस दौरान मैंने कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक की यात्रा साइकिल से की। उन्होंने बताया कि मौसम के अनुसार साइकिलिंग करते है, बारिश के मौसम में पहाड़ी जगहों पर ज्यादा राइड करते है। वहीं भोपाल से देवास, उज्जैन, रायसेन, गुना, विदिशा आदि जगहों पर साइकिल राइड कर चूका हूं। वरुण ने बताया कि रोजाना साइकिल से 10 से 15 किमी. की राइड करता रहता हूं। उन्होंने बताया कि साइकिल चलाने से सारे वर्कआउट हो जाते है।

हर संडे होती है साइकिल राइड

साइकिलिस्ट पूजा जोशी कहती है कि चार वर्ष

पहले साइकिलिंग शुरू की। अब यह डेली रूटीन हो गया है। शुरूआत में 20 से 30 किमी की छोटी-छोटी साइकिल राइड करते थी। ग्रुप के साथ साइकिलिंग करने लगी। उन्होंने बताया कि 100 किमी. से लेकर 500 किमी की राइड कर चुकी हूं। 600 किमी की राइड के लिए तैयारी कर रही हूं। उन्होंने कहा कि भोपाल से रायसेन, भीमबेटका सहित आसपास की कई क्षेत्रों पर राइड की है। उन्होंने बताया की साइकिलिंग से फिजिकल फिटनेस भी करकरार रहती है। उन्होंने बताया कि अब हर रविवार को साइकिल राइड पर जाते है।

मनाली से लेह तक साइकिल अभियान में लिया हिस्सा

साइकिलिस्ट अक्षत अग्निहोत्री कहते हैं कि आठ साल से साइकिलिंग कर रहा हूं। मैंने मनाली से लेह तक की साइकिलिंग अभियान में हिस्सा लिया। हर हफ्ते में एक ट्रिप साइकिल से जरूर करता हूं। भोपाल से उज्जैन के साथ भोपाल के आसपास की क्षेत्रों पर राइड कर चुका हूं। उन्होंने कहा कि साइकिलिंग करने साथ फिटनेस भी बनी रहती है साथ ही पर्यावरण को भी हम सुरक्षित रखते है।

मप्र जनजातीय संग्रहालय में गोंड समुदाय के चित्रकार रेशमा श्याम के चित्रों की प्रदर्शनी

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। सोमवार 03 जून को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के अंतरंग प्रदर्शनी भवन वीथी संकुल में मई माह के प्रादर्श के रूप में मारा सिरपम शिव (भगवान शिव की एकाष्ट की छवि) को प्रदर्शित किया गया है। इसे सुबह 11 बजे से देखा जा सकता है। मप्र जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड समुदाय की चित्रकार रेशमा श्याम के चित्रों की प्रदर्शनी का संयोजन किया जा रहा है। शुभारंभ दोपहर 12 बजे होगा। शौर्य स्मारक में मुक्ताकाश मंच पर शाम पांच बजे से सैन्य फिल्म शो डाउन एट सनसेट का प्रदर्शन किया जाएगा। फिल्म डिविजन आफ इंडिया द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म यह फिल्म वायु रक्षा प्रणाली पर आधारित है। शहीद भवन में चैतन्य सोशियो कल्चरल सोसाइटी की नई प्रस्तुति बैले नृत्य नाटिका शाकुंलम् की प्रस्तुति होगी। समय शाम सात बजे से है तथा प्रवेश निश्शुल्क रखा गया है।

साम्पदकीय

कब सुधरेंगी हमारी गलतियां...

इस बार का चुनाव बहुत ही कठिन रहा और पूरी प्रक्रिया बहुत लंबी। इसके परिणाम कुछ ही दिनों में आ जाएंगे। जो भी पार्टी या गठबंधन अगली सरकार बनाएगा, उसे उन गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जिन्हें चुनाव अभियान ने पीछे धकेल दिया है। भारत के सामने आज गलतियों की एक लंबी लिस्ट है, जिसे अच्छी तरह सुधारा नहीं गया तो एक गणतंत्र के रूप में हमारा भविष्य कमजोर हो सकता है। पहली गलती पार्टी प्रणाली का भ्रष्टाचार है। ऐसा माना जाता है कि राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र होता है, जिसमें नेता स्वतंत्र रूप से चुने जाते हैं और वे अपनी पार्टी के सहयोगियों के प्रति जवाबदेह होते हैं। भारतीय राजनीति आज इस मॉडल से बिल्कुल अलग है। यहां राजनीतिक पार्टियां या तो व्यक्तित्व के साये तले हैं या एक पारिवारिक फर्म बन गई हैं। व्यक्तित्व के साये तले वाली बात का ज्वलंत उदाहरण भारतीय जनता पार्टी है। पिछले एक दशक में पूरी पार्टी और सरकारी तंत्र का बड़ा हिस्सा नरेंद्र मोदी को दिव्य व्यक्तित्व वाला बनाने में जुटा रहा है। हालांकि भौगोलिक तौर पर अपने सीमित क्षेत्रों में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, केरल में पिनाराई विजयन, दिल्ली में अरविंद केजरीवाल, आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी और ओडिशा में नवीन पटनायक जैसे मुख्यमंत्री भी इसी तरह से काम कर रहे हैं। कुछ इस तरह कि मानो वे ही शासन करते रहेंगे। लोकतांत्रिक संस्थाओं का दिखावा करने वाली पारिवारिक पार्टियां भी इसके लिए कम जिम्मेदार नहीं हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि कांग्रेस इसके लिए मुख्य रूप से दोषी है। उसने पार्टी के लिए दशकों तक काम करने वालों को नजरअंदाज कर प्रियंका गांधी को रातों-रात महासचिव बना दिया। गांधी परिवार से पीछे न रह जाएं, इस वजह से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुलबर्गा की अपनी पुरानी सीट अपने दामाद को दे दी, जबकि उनका एक बेटा पहले से ही कर्नाटक में कैबिनेट मंत्री है। इसी तरह राष्ट्रीय जनता दल बिहार में, सपा उत्तर प्रदेश में और डीएमके तमिलनाडु में ऐसी पार्टियां हैं, जो एक ही परिवार के नियंत्रण में रही हैं। यह सोचने पर मजबूर करता है कि जिस ब्रिटेन की राजनीतिक प्रणाली को हमने अपनाया, उससे हम कितने अलग हैं। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के सामने कोई धर्म-पंथ नहीं है। मुख्य विपक्षी लेबर पार्टी के नेता केर स्टार्मर किसी राजनीतिक परिवार से नहीं आते हैं। वे दोनों आज जिस मुकाम पर हैं, वहां अपनी मेहनत और पार्टी के सहयोगियों के समर्थन से हैं। जब भी वे समर्थकों का विश्वास खो देंगे, बिना किसी हंगामे के अपना पद छोड़ देंगे और उनकी जगह पर ऐसे व्यक्ति को चुना जाएगा, जो किसी राजनीतिक वंशावली से नहीं होगा। भारतीय लोकतंत्र की विश्वसनीयता इस बात से भी और कम हुई है कि नागरिकों को बिना मुकदमे के जेल में डाला जा सकता है और वर्षों तक जेल में रखा जा सकता है। कानूनों का उपयोग राजनीतिक विरोधियों ही नहीं, बल्कि किसी भी तरह की असहमति जताने वालों को डराने और चुप कराने के लिए किया जाता है। इस तरह के दुरुपयोग में अदालतें भी शामिल हैं। संक्षेप में यही कहा जा सकता है कि हमारी राजनीतिक कमियां दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के दावों के आडंबरों के पीछे छिपी हैं। दूसरा दावा विश्व की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का है। हालांकि आर्थिक उदारीकरण की वजह से गरीबी में तो कमी आई है, लेकिन इससे असमानता भी बड़े पैमाने पर बढ़ी है। रोजगार में बढ़ोतरी नहीं हुई। शिक्षित वर्गों में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है और श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम है। भारत की अर्थव्यवस्था मिश्रित है और इसके पर्यावरणीय रिकॉर्ड विनाशकारी रहे हैं। आर्थिक तौर पर भारत के सबसे 'समृद्ध शहर' बेंगलुरु में जल संकट और भारत के 'वैश्विक उत्थान' वाले शहर नई दिल्ली में वायु प्रदूषण की उच्च दर इस बात का प्रतीक है कि हमने संसाधनों का कितना दुरुपयोग किया है। जैसा कि मैंने पहले लिखा है, हमारे लिए एक बड़ा मुद्दा पर्यावरण संकट है। जहरीली हवा, गिरता जल स्तर, दूषित मिट्टी और विलुप्त होती जैव विविधता की वजह से करोड़ों भारतीयों की आजीविका और सेहत खतरे में पड़ गई है और ये भविष्य के बारे में गंभीर सवाल उठा रहे हैं कि क्या हमारे औद्योगिक और आर्थिक संसाधन टिकाऊ हैं? कई दशकों तक सत्ता में रही कांग्रेस पार्टी की जिम्मेदारी इसमें सबसे अधिक बनती है। उसका कहना है कि 2014 में जब नरेंद्र मोदी ने सत्ता संभाली, उसके बाद से स्थिति और खराब होती गई। हम जिसे सांप्रदायिक समस्या कहते हैं, वह भी कोई नई नहीं है। पाकिस्तान बनने के बाद जो मुसलमान भारत में रह गए, उन्हें पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने यह कहते हुए आश्वस्त किया था कि पाकिस्तान में जो भी अधिकार दिए गए हैं, वही समान नागरिक अधिकार यहां भी दिए जाएंगे। लेकिन उन्हें अक्सर संदेह की दृष्टि से देखा गया। धर्मों के बीच की यह खाई राजीव गांधी के शासनकाल में बढ़ती गई, क्योंकि उन्होंने हिंदू और मुस्लिम, दोनों के बीच कट्टरता को बढ़ावा दिया 2014 के बाद से भारत के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय में असुरक्षा की भावना कई गुना बढ़ गई, क्योंकि स्वतंत्र राष्ट्र के इतिहास में पहली बार केंद्र में सत्तारूढ़ दल ने अपनी हिंदू बहुसंख्यकवादी महत्वाकांक्षा को स्पष्ट कर दिया था। राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में धर्म का बोलबाला बढ़ गया, जब प्रधानमंत्री ने खुद को ईश्वर द्वारा धरती पर भेजे गए उस हिंदू राजा की तरह दिखाया, जो हिंदुओं की सभी परेशानियों को दूर कर देगा। इसके परिणामस्वरूप भारतीय मुसलमानों ने खुद को इतना डरा हुआ कभी महसूस नहीं किया, जितना अब कर रहे हैं। ये भविष्य के लिए क्या संकेत दे रहे हैं, कहना मुश्किल है। एक अंतिम समस्या, जो मैं उठाना चाहता हूं, वह है राज्य और केंद्र सरकार के बीच संबंध। भाजपा समर्थक 1959 में जवाहरलाल नेहरू द्वारा केरल की वामपंथी सरकार को बर्खास्त करने और इंदिरा गांधी के बार-बार अनुच्छेद 356 का उपयोग करने पर चर्चा तो करना पसंद करते हैं, लेकिन दूसरे दलों के शासन वाले राज्यों के प्रति उनका रवैया अच्छा नहीं रहा है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के शासनकाल में उन राज्यों की ओर कम ध्यान दिया गया, जहां भाजपा का शासन नहीं है। चुने हुए मुख्यमंत्रियों का मजाक उड़ाया गया। जान-बूझकर ऐसे राज्यपालों को नियुक्त किया गया है, जिन्होंने द्वेष की भावना से ग्रस्त होकर हर मोड़ पर राज्य सरकार के काम में बाधा पहुंचाई है। यहां तक कि गणतंत्र दिवस परेड जैसे महत्वपूर्ण आयोजनों से अन्य दलों द्वारा शासित राज्यों की झांकियों को हटाकर यह स्पष्ट कर दिया कि वे तब तक चैन से नहीं बैठेंगे, जब तक कि भारत के प्रत्येक राज्य में भाजपा का शासन नहीं हो जाता। उनके इस व्यवहार से अधिनायकवाद और निरंकुशता की बू आती है। हमने अभी देखा है कि आम चुनाव में करोड़ों भारतीयों ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। हालांकि यह कहना सही है कि ये वोट गैर प्रतिनिधित्व वाली पार्टी, समझौता किए गए संस्थानों, अलोकतांत्रिक कानून, गिरती अर्थव्यवस्था, असुरक्षित अल्पसंख्यक और संघीय ढांचे के बढ़ते तनाव के संदर्भ में दिए गए थे। आने वाले समय में जो भी सरकार सत्ता में आएगी, उसके लिए सबसे पहला काम इन सभी गलतियों को सुधारना होगा।

साइबर दुनिया और चीनी साजिशें: 19 पड़ोसियों को चुनौती देने की हठधर्मिता, राष्ट्रपति जिनपिंग का अहंकार जिम्मेदार

कुछ स्वयंभू विशेषज्ञ बता रहे हैं कि चीन महाशक्ति देश के रूप में अमेरिका की जगह लेना चाह रहा है, इसलिए उसके पास भारत के खिलाफ षड्यंत्र रचने का समय नहीं है। यह सरासर बकवास है। चीन यह बात अछी तरह से समझता है कि भारत को कमजोर किए बिना दुनिया पर वर्चस्व कायम करने की उसकी मंशा कभी पूरी नहीं हो सकती है। इसलिए सैन्य से लेकर आर्थिक और मानचित्रण तक-वह भारत के खिलाफ हर तरह की आक्रामकता आजमाने का प्रयास करता है। उसके योजनाकार भारत के खिलाफ साजिश रचने पर काफी समय खर्च करते हैं। चीन की तीन युद्ध रणनीति का काफी विश्लेषण किया गया है, जो झाउ वंश के रणनीतिकार सन त्जु की पुस्तक द आर्ट ऑफ वार से प्रेरित थी, खासकर बिना लड़े जीतने की उसकी अवधारणा, क्योंकि वह चीनियों की सीमित शारीरिक क्षमता से वाकिफ थे। चीन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को कमजोर करना, सीमाओं को बदलना और वैश्विक (खासकर सोशल) मीडिया को नष्ट करना चाहता है। उसके पास सूचनाओं में हेरफेर करने वाली एक सेना है, और वह जहां तक संभव हो सके, अपने विरोधियों को भ्रमित करने के लिए उसका उपयोग करने की कोशिश करता है। आजकल एल्गोरिद्म एवं बॉट्स के साथ सोशल मीडिया में हेरफेर करना अपेक्षाकृत आसान हो गया है, जो इंटरनेट पर स्वचालित ढंग से असीमित व्यूज और लाइक्स पैदा कर सकते हैं, जिन्हें मानव गतिविधियों की तरह तैयार किया गया है। मौजूदा लोकसभा चुनाव के दौरान भी ऐसा देखने को मिला है। वर्तमान सरकार के कुछ विदेश-समर्थित सोशल मीडिया आलोचक हैं, जिनके आधिकारिक रूप से लाखों फॉलोअर्स हैं। चीन ने सोशल मीडिया के जरिये ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और अमेरिका में चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की है। लेकिन वह पकड़ा गया और उसने आहत होने का नाटक किया। मेटा जैसी दिग्गज सोशल मीडिया कंपनी के सतर्क होने और दुर्भावनापूर्ण खातों को निष्क्रिय करने के बाद चीन (और उसका अनुयायी पाकिस्तान) सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वाले प्रमुख देश के रूप में उभरा है। यानी सोशल मीडिया को चीन ने पूरी तरह से एंटी-सोशल (असामाजिक) बना दिया। वर्ष 2020 में गलवान की घटना (जो चीन की भयंकर भूल थी) के बाद उसकी चर्चित सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलएल) कागजी शेर साबित हुई। इसलिए चीनी कम्युनिस्ट पार्टी अब गैर-पारंपरिक युद्ध करने की कोशिश कर रही है। उसके निशाने पर विशेष रूप से विदेश में बसा सिख समुदाय का एक छोटा-सा वर्ग है, जो भारत को अस्थिर करने के बारे में सोच रहा है। अपने पुराने पिछलग्गू पाकिस्तान के उकसावे में आकर चीन ने कश्मीर से अनुछेद 370 हटाने के बाद यही घिसी-पिटी रणनीति अपनाई। लेकिन कश्मीर में जब उसकी दाल नहीं गली और कश्मीर के लोगों को राष्ट्रीय मुख्यधारा में जुड़ने के आर्थिक और राजनीतिक लाभ दिखने लगे, तो चीन ने अपना ध्यान विदेश में बसे कट्टरपंथी सिखों की तरफ लगाया। उसकी यह साजिश भी विफल होने वाली है, क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था आसमान छू रही है और दुनिया भारत के साथ दोस्ती के फायदे समझ रही है। पिछले पांच वर्षों में चीन ने भारत पर काफी आर्थिक दबाव बनाया, उसके बावजूद महामारी पर काबू पाने में हमारी सफलता और आर्थिक सुधार से चीन चिंतित हो उठा है। हालांकि भारत और चीन के बीच खुले युद्ध की फिलहाल कोई आशंका नहीं है, लेकिन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर छिटपुट झड़पों और कभी-कभार जमीन हड़पने के प्रयासों से इन्कार नहीं कर सकते। चीनी राजनयिकों ने स्पष्ट धमकियां देने की रणनीति अपनाने की कोशिश की और मेजबान देशों को नाराज किया, जिससे चीन की छवि को नुकसान ही पहुंचा। पूर्व मंगोलियाई राष्ट्रपति, जो शी से 30 बार मिल चुके हैं, ने लिखा कि शी दिखाते हैं कि व्यक्तिगत रूप से करिश्माई होने के साथ विश्व मंच पर खतरनाक और निरंकुश होना संभव है। वह दुष्ट भी हो सकते हैं। अपने सभी 19 पड़ोसियों को चुनौती देने की हठधर्मिता की चीन भारी कीमत चुका रहा है, जिसके लिए उसके राष्ट्रपति का अहंकार जिम्मेदार है।

कान्स ने खोले सफलता के द्वार

अब लोगों की बन रहीं नैन्सी

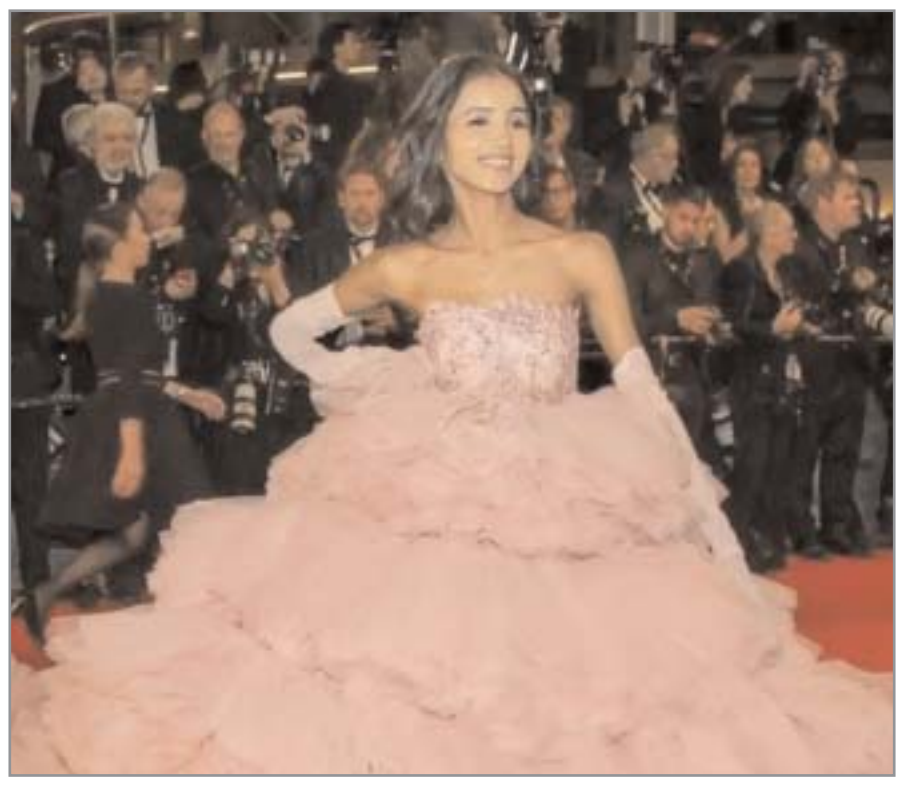

फ्रांस में हुआ कान्स फिल्म फेस्टिवल इस बार इसलिए बेहद खास रहा कि इसमें उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के गांव बरनावा की तेईस साल की लड़की नैन्सी त्यागी ने सफलता के झंडे गाड़ दिए। इसे वहां ब्रूट एजेंसी की तरफ से भेजा गया था। बेहद गरीब परिवेश से आई इस लड़की को कपड़े सिलने का बेहद शौक है। यह तमाम सेलिब्रिटीज को देखकर कपड़े सिलती थी और उसके फोटो इंस्टाग्राम पर लगाती थी। शुरू में उसे बहुत ट्रोल भी किया गया, लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी। धीरे-धीरे इसकी फैन फॉलोइंग बढ़ी और आज इसके साढ़े आठ लाख फॉलोअर्स हैं। अब हो सकता है और भी बढ़ गए हों।

नैन्सी ने कान्स में गुलाबी रंग का जो गाउन पहना, उसे उसने खुद सिला था। इसमें एक हजार मीटर कपड़ा और बनाने में एक महीना लगा। जिस कान्स में बड़ी-बड़ी सेलिब्रिटीज दुनिया के मशहूर डिजाइनर्स के बेहद महंगे कपड़े पहनती हैं, वहां नैन्सी ने खुद का सिला गाउन पहनकर सबको चकित कर दिया। मशहूर अभिनेत्री सोनम कपूर ने कहा कि वह उसके लिए भी कपड़े सिले। नैन्सी ने फ्रांस में भी पत्रकारों के सवालों के जवाब हिंदी में ही दिए और हिंदी भाषी होने पर गर्व प्रकट किया। उसने कहा कि कम से कम उसे हिंदी तो आती है। उसका कहना है कि अंग्रेजी न आने पर भी वह वहां जा सकी, जहां जाने के सपने बहुत से लोग देखते हैं। शुरू में उसके पिता ने उसका विरोध किया था, मगर कान्स की सफलता के बाद अब वह भी उसका हौसला बढ़ाने लगे हैं। बताते चलें कि नैन्सी के पिता टीवी मैकेनिक हैं और मां एक फैक्टरी में काम करती हैं। उसका कहना था कि मां की हाड़-तोड़ मेहनत उससे देखी नहीं जाती थी। नैन्सी को लगता था कि कहीं मां का स्वास्थ्य न खराब हो जाए। वह उनके लिए ही कुछ करना चाहती थी। नैन्सी बारहवीं के बाद दिल्ली आ गई थी। वह यूपीएससी करना चाहती थी, मगर पैसे की तंगी के साथ अंग्रेजी न आने की समस्या भी थी। हालांकि उसे बाद में यह भी पता चला कि यूपीएससी की परीक्षा हिंदी में भी दी जा सकती है। लेकिन एक बार में चयन हो जाए, यह जरूरी नहीं है। वैसे भी गांव वाले माता-पिता से कहते रहते थे कि क्या लड़की पर पैसे खर्च कर रहे हो, लड़के पर करो। मगर नैन्सी ने एक कैमरा खरीदा और सोशल मीडिया का रुख किया और सहारा लिया अपने शौक यानी कपड़ों को सिलने का। बचपन में वह गुड़ियों के लिए कपड़े बनाती थी, फिर अपने लिए बनाने लगी। नैन्सी की मदद करने के लिए उसकी मां ने अपने गहने तक बेच दिए। उसका कहना है कि उसकी मां ने हमेशा उसे बहुत सहारा दिया। इसलिए वह भी उनके लिए कुछ करना चाहती है। कुल मिलाकर देखा जाए, तो सिलाई मशीन उसका सबसे बड़ा सहारा बनी। भारत में अरसे से सिलाई मशीन की सहायता से न जाने कितनी महिलाओं ने अपना और अपने परिवार का पेट पाला है। पति के न रहने पर बहुत-सी महिलाएं कपड़े सिलकर अपना गुजारा करती रही हैं। ऐसी बहुत-सी महिलाओं को मैं निजी तौर पर जानती हूं। कई तो रिश्ते में भी हैं। एक जमाने में सिलाई मशीन कंपनियां महिलाओं को कपड़े सिलना सिखाने के लिए स्कूल भी चलाती थीं। नैन्सी के मामले में सिलाई मशीन ने उसकी गरीबी तो दूर की ही, उसके सपनों को भी पूरा किया। यह बात भी उसके अभूतपूर्व आत्मविश्वास को दर्शाती है कि उसने एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में खुद के बनाए कपड़े पहने और खूब प्रशंसा हासिल की। उससे एक संवाददाता ने जब यह पूछा कि कोई तुमसे अगर अभी शादी करने के बारे में कहे, तो क्या करोगी? उसने मुस्कराते हुए जवाब दिया-भगा दूंगी। नैन्सी का कहना है कि सोशल मीडिया पर सफलता के लिए कन्टेंट में दम होना चाहिए। फिर उसने यह भी कहा कि चार-पांच दिन से कुछ नहीं सिला है, तो ऐसा लग रहा है कि कुछ काम ही नहीं किया है। नैन्सी से प्रेरणा लेकर उसके रिश्तेदारों में कई लड़कियां ऐसा करना चाहती हैं। बात भी सही है, अपने बीच से यदि कोई सफल होता है, तो बाकी औरों के लिए भी सफलता के नए द्वार खोलता है। लड़कियों के मामले में तो यह बात और भी सही है। नैन्सी आगे ही आगे बढ़ती जाएगी, अपने प्रयत्नों से उसने राह के सारे कांटे हटा दिए हैं। आज वह चर्चित मीडिया और फैशन इन्फ्लुएंसर है।

बाबा महाकाल ने दिए निराले स्वरूप में दर्शन: रुद्राक्ष, मोगरा और पहनी मुंड माला, भस्म आरती का श्रृंगार

बाबा महाकाल ने निराले स्वरूप में भक्तों को दर्शन दिए। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरिओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को नवीन मुकुट, मुंड माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि आज द्वादशी तिथि व सोमवार के संयोग पर भस्मआरती में बाबा महाकाल का अंजीर, रुद्राक्ष, मोगरा और मुंड माला पहनाकर विशेष श्रृंगार किया गया और बाद में कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई और भोग भी लगाया गया। जिसके बाद महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गयी। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया। मेहसाणा, गुजरात से दर्शन हेतु पधारे श्रद्धालु सिद्धराज सिंह चावड़ा ने भगवान श्री महाकाल के दर्शन किये एवं सत्तू गुरुजी की प्रेरणा से चांदी की दो सिल्लियाँ (वजन लगभग एक किलोग्राम) भगवान को अर्पित की। श्रद्धालु सिद्धराज सिंह ने बताया कि वे नियमित अंतराल से भगवान के दर्शन के लिये उज्जैन आते हैं। यहां उन्हें न सिर्फ भगवान की साक्षात अनुभूति होती है अपितु असीम शांति का अनुभव भी होता है।

अगर प्रभास घर से खाना भेजेंगे तो श्रद्धा करेंगी यह काम, फैन को जवाब देते हुए किया बड़ा खुलासा

बागी, एबीसीडी 2 और आशिकी 2 समेत कई फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने हाल ही में, अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक फोटो साझा की, जिसमें वो बहुत प्यारी लग रही थीं। हम जानते हैं कि जब भी कोई फिल्मी सितारा अपनी फोटो अपलोड करता है तो उनके प्रशंसक तुरंत कमेंट बॉक्स में डेरा जमा लेते हैं। एक के बाद एक कमेंट आने लगते हैं। कोई फैन तारीफ करता है तो कोई सवाल पूछता है। जाहिर है श्रद्धा के साथ भी ऐसा ही होना था।

फैन ने पूछा प्रभास के साथ कब काम करोगी? श्रद्धा ने जो फोटो अपलोड की, उस पर प्रभास के एक फैन ने कमेंट करते हुए पूछ लिया कि मैम, आप अगली बार प्रभास के साथ कब काम करोगी? इस सवाल का श्रद्धा ने बड़ा ही मजेदार जवाब दिया। श्रद्धा ने कहा कि जब प्रभास अपने घर से मेरे लिए खाने का टिफिन भेजेंगे। मालूम हो कि श्रद्धा कपूर और प्रभास ने फिल्म साहो में एक साथ काम किया था। यह फिल्म साल 30 अगस्त, 2019 को रिलीज हुई थी। इसे दर्शकों से मिली जुली प्रतिक्रिया मिली थी।

श्रद्धा कपूर और प्रभास की आने वाली फिल्म श्रद्धा कपूर की पिछली फिल्म तू झूठी मैं मक्कार थी। इसमें रणबीर कपूर ने भी मुख्य भूमिका अदा की थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अछा कारोबार किया था। श्रद्धा इन दिनों अपनी फिल्म स्त्री 2 में व्यस्त हैं, जो एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है। वहीं, प्रभास अपनी आने वाली फिल्म कल्कि 2898 एडी को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, जो 27 जून, 2024 को रिलीज होगी।

रवीना टंडन के समर्थन में उतरीं कंगना रणौत

अभिनेत्री पर हुए हमले की घटना को बताया चिंताजनक

रवीना टंडन इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। रवीना का एक वीडियो बीते दिन, 2 जून को वायरल हुआ था, जिसमें उनके साथ कुछ लोग अभद्र व्यवहार करते नजर आए थे। कुछ लोगों ने रवीना पर महिलाओं पर हमला करने का आरोप लगाते हुए उनके साथ मारपीट की थी। वहीं, इस मामले में पुलिस ने यह साफ कर दिया है कि रवीना पर लगाए गए आरोप झूठे हैं, जिसका सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया। वहीं अब इस मामले में अब अभिनेत्री कंगना रणौत ने रवीना का समर्थन किया है और इस घटना की निंदा की। कंगना रणौत ने मुंबई की सड़क पर रवीना टंडन पर हुए हमले के एक दिन बाद उनका समर्थन किया। सोमवार को अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कंगना ने इस घटना को बिल्कुल चिंताजनक बताया। उन्होंने रोड रेज आउटबर्स्ट की निंदा की और कहा कि उन लोगों को फटकार लगाई जानी चाहिए। पोस्ट साझा करते हुए कंगना रनौत ने लिखा, %रवीना टंडन जी के साथ जो हुआ वह बेहद चिंताजनक है। अगर विपरीत समूह में पांच से छह और लोग होते तो उन्हें मार दिया जाता। हम इस तरह के रोड रेज की निंदा करते हैं। उन लोगों को फटकार लगाई जानी चाहिए। उन्हें इस तरह के हिंसक और जहरीले व्यवहार से बचना नहीं चाहिए। इस मामले में मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अपनी जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि रवीना की कार किसी से नहीं टकराई थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो में एक व्यक्ति ने दावा किया था कि रवीना के ड्राइवर ने उसकी मां को टक्कर मारी। जब रवीना से पूछताछ की गई तो उन्होंने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। व्यक्ति ने दावा किया कि यह घटना तब हुई, जब वह अपनी मां, बहन और भतीजी के साथ रवीना के घर के पास से गुजर रहा था। पुलिस ने बताया कि जिस बिल्डिंग में यह घटना हुई, उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि महिलाएं रवीना की कार के बहुत करीब थीं, लेकिन उन्हें टक्कर नहीं लगी। वीडियो में एक समूह रवीना और उनके ड्राइवर पर तीन महिलाओं से मारपीट करने का आरोप लगा रहा है। पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार रात बांद्रा के कार्टर रोड पर हुई। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है, लेकिन खार पुलिस स्टेशन में स्टेशन डायरी दर्ज कर ली गई है। ब रवीना भीड़ से बात करने के लिए अपनी गाड़ी से उतरीं तो उन्हें कथित तौर पर धक्का दिया गया और मारा गया। वीडियो में व्यक्ति ने दावा किया कि अभिनेत्री नशे में थीं और उन्होंने कार से बाहर निकलते ही महिला पर हमला करना शुरू कर दिया। घटना के बाद कार्टर रोड पर एक इमारत के परिसर में लोगों के एक समूह ने रवीना और उनके ड्राइवर का विरोध किया। अधिकारी ने कहा कि यह घटना तब हुई, जब ड्राइवर ने अपनी कार पीछे की ओर मोड़ी। वायरल वीडियो में एक महिला शिकायत करती हुई दिखाई दे रही है कि रवीना और उनके ड्राइवर ने उसके साथ मारपीट की और उसकी नाक से खून बहने लगा। अधिकारी ने बताया कि विवाद के बाद दोनों पक्ष खार पुलिस थाने गए और लिखित बयान दिया कि एक-दूसरे के खिलाफ कोई शिकायत नहीं है।

टीवी में होता है अपमान, मुझे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा, उर्फी का छलका दर्द, सुनाई आपबीती

अपने अतरंगी फैशन सेंस अपनी बेबाक पर्सनालिटी के लिए मशहूर उर्फी जावेद ने एक बार फिर चौंकाने वाला खुलासा किया है। उर्फी ने बताया है कि टीवी शो के सेट पर एक्टर्स के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। इसके साथ ही अभिनेत्री ने खुलासा किया कि कैसे अपने करियर के शुरुआती दिनों में एक शो के दौरान उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था, क्योंकि शो के ईपी ने उनकी शिफ्ट का समय बदलने से इनकार कर दिया था। आइए जानते हैं उर्फी ने और क्या कहा है।

हाल ही में एक इंटरव्यू में जब पूछा गया कि टेलीविजन कलाकार बॉलीवुड में आने के बाद खुद को टेलीविजन से जोड़ने से क्यों मना कर देते हैं, जबकि टेलीविजन ने उन्हें बहुत कुछ दिया है। इस पर उर्फी ने कहा कि यह टेलीविजन नहीं है, जो अभिनेता को पहचान देता है बल्कि यह उनकी कड़ी मेहनत है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि कैसे एक टेलीविजन सेट पर वह बीमार पड़ गई और आखिरकार उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था।

अभिनेत्री ने कहा, ऐसा नहीं है टीवी ही सब कुछ देता है, यह एक अभिनेता की कड़ी मेहनत भी है। टीवी में काम करना आसान नहीं है, इसमें बहुत अपमान भी शामिल है। कुछ प्रोडक्शन हाउस आपके साथ बहुत बुरा व्यवहार करते हैं। मैं टीवी का महिमामंडन नहीं करना चाहती, टीवी ने ही सब कुछ दिया है, लेकिन कोई भगवान थोड़ी है टीवी।

उर्फी ने आगे कहा, मैं टीवी में रहकर काफी रोई हूं। मैं टेलीविजन में नई थी और एक शो कर रही थी, मुझे यह भी याद नहीं है कि वह शो क्या था और मैं बहुत बीमार थी। ईपी मुझे हर रोज सुबह 7.30 की शिफ्ट देता था और मैं अनुरोध करती रहती थी, उससे कहती रहती थी कि मुझे सुबह 10.30 की शिफ्ट दे हालांकि, उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे दिए गए समय पर आना होगा, नहीं तो वे मुझे शो से बाहर निकाल देंगे।

अभिनेत्री मे अपना अनुभव साझा करते हुए आगे बताया कि चूंकि मैं नई थी, इसलिए मैं बहुत डर गई। मैं 7.30 बजे सेट पर पहुंच जाता और वे 3.30 बजे मेरा सीन शुरू कर देते, मैं सचमुच बहुत बीमार थी। अंत में, मुझे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा।

रजनीकांत की 'कुली' की शूटिंग इस दिन से होगी शुरू, टीजर पहले ही मचा चुका है तहलका

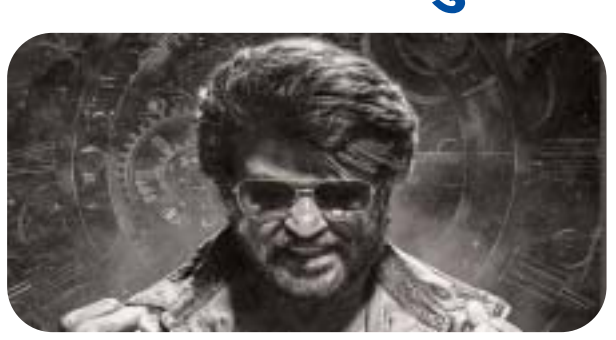

दक्षिण भारतीय दिग्गज अभिनेता रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वेट्टैयान' 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस दौरान इसकी टक्कर जूनियर एनटीआर की 'देवरा' से रहेगी। इस फिल्म का निर्देशन टीजे ज्ञानवेल ने किया है। बता दें कि 'वेट्टैयान' के बाद, रजनीकांत मास एक्शन ड्रामा 'कुली' में अभिनय कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया गया था। टीजर देखने के बाद रजनीकांत के प्रशंसकों की बेसब्री और बढ़ गई। अब अभिनेता ने फिल्म की शूटिंग शुरू होने की तारीख का खुलासा किया है। आइए जानते हैं रजनीकांत की इस फिल्म की शूटिंग कब से शुरू हो रही है।

इस दिन से शुरू होगी शूटिंग

फिल्मकार लोकेश कनगराज रजनीकांत की फिल्म 'कुली' का निर्देशन कर रहे हैं। रजनी और लोकेश के एक साथ काम करने से फिल्म की लोकप्रियता दर्शकों के बीच और बढ़ गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रजनीकांत ने अब खुलासा किया है कि फिल्म 10 जून से फ्लोर पर आएगी। वहीं, लोकेश अपनी फिल्मों की शूटिंग जल्द खत्म करने के लिए जाने जाते हैं।

क्या कुली को संभाल पाएंगे लोकेश? इससे पहले निर्देशक लोकेश कनगराज ने 'लियो' का निर्देशन किया था। इस फिल्म के लिए उन्हें काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था, क्योंकि कुछ लोगों का कहना था कि उन्होंने फिल्म को बनाने में जल्दबाजी कर दी थी। ऐसे में लोकेश की 'कुली' को लेकर जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। अब देखना ये है कि दिग्गज कलाकार रजनीकांत की इस फिल्म के निर्देशक कैसे संभालते हैं? कुछ दिनों पहले फिल्म के टाइटल टीजर ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया था।

चार भाषाओं में फिल्म को रिलीज करने की है तैयारी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रजनीकांत की इस फिल्म को चार भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। यह रजनीकांत की 171वीं फिल्म है। इसे मिल, तेलुगु, हिंदी और मलयालम भाषा में रिलीज किया जाएगा। फिल्म का प्रोडक्शन 'सन पिक्चर्स' के बैनर तले हो रहा है।

अक्षय कुमार पर बकाया मेरी जीती हुई रकम अगली बार मिलेंगे तो वसूली जरूर करूंगी

फिल्म 'बेफिकरे' की शायरा गिल अब 'बदतमीज गिल' बन चुकी है। जी हां, यशराज फिल्म्स की फिल्म 'शुद्ध देसी रोमांस' से अपनी अभिनय यात्रा शुरू करने वाली अभिनेत्री वाणी कपूर की नई फिल्म का यही नाम है। वाणी हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग करके बरेली से लौटी हैं। इसके अलावा उन्होंने अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'खेल खेल में' और अजय देवगन के साथ फिल्म 'रेड 2' की शूटिंग भी करीब करीब पूरी कर ली है। अपने व्यस्त समय से कुछ वक्त निकालकर वाणी कपूर ने ये बातचीत की, 'अमर उजाला' के सलाहकार संपादक पंकज शुक्ल से। 'शुद्ध देसी रोमांस' के किरदार तारा से `कर 'बदतमीज गिल' तक आते आते बतौर अभिनेत्री अब कितना विश्वास आ चुका है अपने ऊपर? खूब सारा काम करके खूब सारा आत्मविश्वास तो आता ही, इसमें कोई दो राय नहीं है। लेकिन, आत्मविश्वास से ज्यादा जरूरी है, उस किरदार को करने के लिए आस्था होना। बीते 10 साल में मैंने ज्यादा फिल्में की नहीं हैं और मुझे तो लगता है कि जैसे मेरी शुरुआत अब हो रही है। मैं अब भी शूटिंग पर पहुंचती हूं तो नर्वस हो जाती हूं। उस मकाम पर भी अभी नहीं पहुंची हूं जहां मुझे लगे कि मैं कुछ भी कर सकती हूं। इन दिनों यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'वॉर 2' की खूब चर्चा हो रही है, इस फिल्म को देखते समय दर्शक 'वॉर' की नैना को कितना याद करेंगे? 'वॉर' बहुत ही शानदार फिल्म थी। इसके निर्देशक सिद्धार्थ आनंद के साथ, साथी कलाकार ऋतिक रोशन के साथ मैं दोबारा काम कर सकूं तो ये मेरी खुशकिस्मती होगी। नैना का किरदार बहुत ही खास तरीके से गढ़ा गया था। मैं और सिद्धार्थ जब फिल्म की पटकथा साथ पढ़ने बैठते थे तो इस बारे में बहुत विचार किया करते थे कि नैना के किरदार का आधार, इसकी अंतर्धारा कैसे मजबूत की जा सकती है। हम नहीं चाहते थे कि ये किरदार बस फिल्म में होने भर के लिए ही हो। बदतमीज गिल' के अलावा आपने हाल ही में अजय देवगन के साथ 'रेड 2' और अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'खेल खेल में' भी पूरी की है। 'बेलबॉटम' के बाद अक्षय कुमार के साथ आपकी ये दूसरी फिल्म है..

अक्षय के साथ काम करना एक अलग ही आनंद है। वह खुद भी बहुत खुशमिजाज इंसान हैं। शूटिंग नहीं भी हो रही हो तब भी सबके साथ रहना ही पसंद करते हैं। खूब हंसी मजाक करते हैं। मौका मिलता था तो हम लूडो पर बाजी लगाकर खेलते थे। 10 रुपये से लेकर 100 रुपये तक की हमारी बाजी होती थी और अगर बाजी अक्षय जीत गए तो फिर तो आपको उनको पैसे देने ही पड़ेंगे। लेकिन, अक्षय मुझसे हारे हैं और मेरे पैसे भी उन पर बकाया है। वह शायद भूल गए हों, लेकिन अगली बार मिलेंगे तो मैं वसूली जरूर करूंगी। अगर अजय देवगन की बात करें तो वह काम में डूबे रहने वाले कलाकार हैं। फिल्म 'रेड 2' की पटकथा बहुत ही कमाल की है। आपकी तो दूसरी फिल्म ही साउथ सिनेमा की फिल्म थी। इन दिनों ऐसी भारतीय फिल्में खूब बन रही हैं जिनमें सभी भाषाओं के कलाकारों के होते हैं, आपका इस बारे में क्या कहना है? मैं भी मानती हूं कि हम भारतीय सिनेमा हैं और सारी भाषाओं के कलाकारों को साथ काम करना ही चाहिए। इसे पैन इंडिया जैसा नाम न देकर भारतीय सिनेमा ही कहना बेहतर होगा। इन दिनों मलयालम सिनेमा में बहुत अच्छी अच्छी फिल्में बन रही हैं। उनकी कहानियों को और भी विस्तार मिले। मुझे मौका मिले तो मैं भी ऐसी फिल्मों में काम करना चाहूंगी। मैं हमेशा से बौद्धिक सिनेमा करना चाहती रही हूं। साउथ में मुझे साई पल्लवी की काम बहुत पसंद है। अल्लू अर्जुन बहुत ही मनोरंजक अभिनेता हैं। साई पल्लवी का आपने जिक्र किया और उनकी रणबीर कपूर के साथ बन रही फिल्म 'रामायण' की इन दिनों बहुत चर्चा है। रणबीर के साथ आपने फिल्म 'शमशेरा' की थी। कितना जाना आपने रणबीर को, इस शूटिंग के दौरान? वह अभिनेता जितने कमाल के हैं, इंसान उससे भी कमाल के हैं। बहुत ही विनम्र, बहुत ही जमीन से जुड़े हुए इंसान हैं। एक सुपरस्टार होने का कोई फितूर नहीं पालते हैं। कभी ये नहीं कहते कि उन्हें किसी खास तरह की तवज्जो दी जाए। प्रकृति के करीब रहना उन्हें बहुत पसंद है। हम नुब्रा वैली में शूटिंग कर रहे थे तो साथ में दूर तक पैदल घूमने चले जाते थे। कहीं जाना हो तो उनकी कोई जिद नहीं होती थी कि नहीं, मुझे यही गाड़ी चाहिए। मजाकिया भी वह बहुत हैं और दूसरों की टांग खींचने में उन्हें खूब मजा आता है। और, आपके माता-पिता कितने खुश हैं आपकी अब तक की अभिनय यात्रा से? समय के साथ साथ वह दोनों भी काफी बदले हैं। सिनेमा और इसके लोगों को लेकर उनकी समझ पहले से ज्यादा विकसित हो चुकी है। उनका बहुत भरोसा रहा है मुझ पर और मेरा भी यही रहा है कि मैं कभी उनका भरोसा न तोड़ूं। ये हमारे बीच एक अनकहा सा समझौता है। वह मेरा हर कदम पर साथ देते हैं और मैं भी बहुत आज्ञाकारी बेटी की तरह रहती हूं। जो दायरा मैंने अपनी परवरिश के दौरान अपने चारों तरफ देखा है, उसके बाहर मैं खुद ही अपने आपको जाने नहीं देती। तो मम्मी ने फोटो भेजनी तो नहीं शुरू की इन दिनों कि देखो, ये लड़के देख रहे हैं हम तुम्हारे लिए..? मेरे ऊपर ऐसा कोई दबाव उन्होंने कभी नहीं डाला। मेरा भी यही मानना है कि शादी से पहले आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना और खुद के भरोसे चलना बहुत जरूरी है। शादी तब होनी चाहिए जब आप मानसिक रूप से तैयार हों इसके लिए। किसी और के साथ जीवन बिताने का फैसला करने से पहले जरूरी है अपने साथ समय बिताना और खुद को जानना। बहुत जरूरी है ये पहचानना कि आप किस वजह से शादी कर रहे हैं। आपकी पहली फिल्म के पहले हीरो सुशांत सिंह राजपूत लोकप्रियता में अब भी तमाम दूसरे सितारों से कहीं आगे हैं..

सुशांत मेरा पहला साथी कलाकार है। और, वह ही मेरा पहला दोस्त भी था फिल्म जगत में। मैं उसे कभी भूल नहीं सकती। हमारी बहुत अच्छी दोस्ती हो गई थी और हम लोगों ने बहुत अच्छा वक्त साथ में बिताया। हम दोनों बहुत ही साधारण परिवार से थे। 'शुद्ध देसी रोमांस' में मेरे ज्यादातर दृश्य उसी के साथ थे। हमारे बीच एक रिश्ता सा था। मैं सिर्फ यही कह सकती हूं कि वह एक बहुत ही ज्यादा प्रतिभाशाली और तेजवान नवयुवक थे।

जन्मदिन की पार्टी मना कर लौट रहे थे कार सवार युवा

ओवरब्रिज से टकराई कार, चार लोगो की होई मौत

विवेक मिश्रा | सिटी चीफ |
सतना, जिले के रामपुर बाघेलान मनकहरी ओवरब्रिज के उपर तेज रफ्तार अनयंत्रित कार डिवाइडर से टकराकर पलटी,कार में सवार आधा दर्जन घायल,घटना की सूचना मिलते ही रामपुर बाघेलान थाना प्रभारी उमेश प्रताप सिंह दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और कार मे फंसे लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया, साथ ही तत्काल एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल सतना भेजा गया है। घायलों की पहचान की जा रही है, 2 से 3 गंभीर घायलों को भेजा गया जिला अस्पताल। मौके पर एक व्यक्ति की मृत्यु की सूचना सेष को जिला अस्पताल सतना भेजा गया,जिनमें से उपचार के दौरान दो युवाओं की हुई मौत ,मृतकों की संख्या हुई कुल चार। पुष्पराज कॉलोनी के जोशी परिवार के बताए जा रहे कार सवार युवा।मृतकों के नाम बताये जा रहे हैं,शिब्बू तिवारी,शिवा पाण्डेय, नितिन पाण्डेय और सानू,जन्मदिन की पार्टी कर रीवा से लौट रहे थे सभी,,घायल कृष्ण चंद्र जोसी का बताया जा रहा है जन्मदिन!

साधन-संसाधन के बावजूद जिला अस्पताल बना रैफर केंद्र

सामने आई डॉ प्रशस्ति मेहता की मनमानी, गर्र्भवती को बिना देखे खून की कमी का हवाला देकर किया रैफर

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ |
शाजापुर, एक्सपर्ट डॉक्टर और पर्याप्त साधन-संसाधन होने के बावजूद शाजापुर जिला अस्पताल से गर्भवती महिलाओं को जटिलता का हवाला देकर इंदौर रैफर कर परेशान करने का सिलसिला निरंतर जारी है। कुछ माह पूर्व शुरूआती दौर में नवागत महिला डॉक्टरों ने गर्भवती महिलाओं की खुब देख-परख की, लेकिन अब समय बीत जाने पर उक्त डॉक्टर भी गर्भवती महिलाओं को बिना देखे ही सीधे इंदौर रैफर करने का काम कर रही हैं। जिम्मेदार डॉक्टरों की इस मनमानीपूर्ण कार्यशैली के कारण शासन की सुरक्षित प्रसव की मंशा को बट्टा लग रहा है। साथ ही गर्भवती और उसके परिजनों को भारी असुविधा का सामना भी करना पड़ रहा है। वहीं मामले में सिविल सर्जन और आरएमओ गंभीरता दिखाने की बजाय मामले को गोलमाल घुमाते हुए महिला डॉक्टर के समर्थन में खड़े नजर आ रहे हैं। यही कारण है कि शनिवार रात महिला डॉक्टर ने एक गर्भवती को बिना देखे ही इंदौर रैफर करने का फरमान सुना दिया। सारंगपुर निवासी अरबाज खान अपनी पत्नी सानिया को प्रसव हेतु शनिवार रात करीब 8 बजे शाजापुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन रात का समय होने पर डॉ प्रशस्ति मेहता ने अस्पताल आकर गर्भवती को देखना मुनासिब नही समझा और नर्सों से बातचीत कर सानिया को इंदौर रैफर कर दिया। मामले में डॉ प्रशस्ति मेहता से चर्चा की गई तो उन्होने सानिया का दूसरा ऑपरेशन होने और सफेद खून चढ़ाने की बात कहकर इंदौर रैफर करने की बात कही, जबकि सानिया का पहला प्रसव किया जाना था और उसकी जांच रिपोर्ट में न तो ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ था और न ही शरीर में खून की कोई कमी थी, लेकिन बावजूद इसके अपने कर्तव्य से पल्ला झाड़ते हुए डॉ प्रशस्ति मेहता ने सानिया को गंभीरता का हवाला देकर इंदौर कर दिया। इस बाबत आरएमओ डॉ सचिन नायक से चर्चा की गई तो उन्होने डॉ मेहता का समर्थन किया और दोनों डॉक्टरों ने सानिया का जिला अस्पताल में ऑपरेशन नही करने में असमर्थत जताई। डॉ मेहता का कहना था कि पूरे जिले में कहीं पर भी सफेद खून नही मिलता है, इसलिए सानिया का

ऑपरेशन शाजापुर जिला अस्पताल में नही किया जा सकता। डॉ प्रशस्ति मेहता की गैर जिम्मेदाराना कार्यशैली की वजह से परेशान होकर परिजनों को सानिया को प्रसव हेतु इंदौर ले जाना पड़ा। इंदौर पहुंचने पर ऑपरेशन कर सानिया का प्रसव कराया और इस दौरान उसे किसी भी प्रकार के खून को चढ़ाने की आवश्यकता नही पड़ी। सुविधाएं होने के बावजूद किया जा रहा रैफर उल्लेखनीय है कि शाजापुर जिला अस्पताल में गर्भवती महिलाओं का ऑपरेशन से प्रसव कराने हेतु समस्त प्रकार के साधन-संसाधन मौजूद हैं, लेकिन बावजूद इसके महिला डॉक्टर गर्भवती महिलाओं को इंदौर रैफर करने पर ज्यादा भरौसा कर रही हैं। आश्चर्र्य इस बात का है कि अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं बनाए रखने की जिम्मेदारी जिन अधिकारियों के जिम्मे है वे रैफर करने की प्रक्रिया को बंद कराने और मनमानी करने वाले डॉक्टरों पर कार्रवाई करने को तैयार नही हैं, जिसकी वजह से गर्भवती महिला और उनके परिजनों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। हम ऑपरेशन नही कर सकते सानिया को हाई ब्लड प्रेशर है और शरीर में सफेद खून को चढ़ाने की आवश्यकता है, जो सिर्फ इंदौर में ही चढ़ सकता है। इसलिए सानिया को इंदौर रैफर किया गया है। -डॉ प्रशस्ति मेहता, स्त्री रोग विशेषज्ञ जिला अस्पताल शाजापुर। मैडम में किया है तो सही किया होगा यदि मैडम में गर्र्भवती को रैफर किया है तो कुछ सही समझकर ही किया होगा। मैडम ऑपेरशन करने से मना कर रही हैं तो पेशेंट को इंदौर जाना ही पड़ेगा। -डॉ सचिन नायक, आरएमओ, जिला अस्पताल शाजापुर।

जंगली सूअर का शिकार कर पार्टी कर रहे सात लोग गिरफ्तार

कब्जे से एक जिंदा, एक कटा और एक भूना हुआ सूअर बरामद

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ |
शाजापुर, जंगली सूअरों का शिकार करने के मामले में वन विभाग की टीम के द्वारा सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही टीम ने आरोपियों के कब्जे से एक जिंदा, एक कटा और एक भूना हुआ सूअर बरामद किया। आरोपियों द्वारा तीन जंगली सूअरों का शिकार कर पार्टी की तैयारी की जा रही थी, तभी वन विभाग की टीम ने घेराबंदी कर आरोपियों को धर दबोचा। प्राप्त जानकारी के अनुसार वन विभाग के अधिकारियों को मुखबिर से मिली सूचना मिली थी कि लाहोरी के जंगल में जंगली सूअरों का शिकार कर पार्टी की जा रही है, जिस पर घेराबंदी कर संदीप पिता चंदरसिंह निवासी ग्राम अरनिया कलां, विजय पिता देवकरण निवासी अरनिया दाऊत, कैलाश पिता जयराम निवासी लाहोरी, जितेन्द्र पिता छोटेलाल निवासी बोलाई, अंबाराम पिता पर्वत निवासी बोलाई, लक्ष्मी नारायण पिता रंगुजी निवासी मकोड़ी एवं मिथून पिता माखन निवासी अरनियाकलां को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से जाल, चाकू और अन्य सामान जब्त किया गया। साथ ही सूअर भी बरामद किए गए।

पारिवारिक विवाद में आरोपी ने मां बहन और भतीजे को पीटा

दरियाव बाई गंभीर रूप से घायल, जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ| शाजापुर, पारिवारिक विवाद में आरोपी ने अपनी मां, बहन और भतीजे की जमकर पिटाई कर दी। प्राप्त ानकारी के अनुसार ग्राम करजू निवासी दरियावबाई पति नाथूजी रातलिया के साथ रविवार को उसके पुत्र ने ही पारिवारिक विवाद में जमकर मारपीट की। वहीं बीच-बचाव करने आए भतीजे संदीप पिता जगदीश और बहन आरती पिता नाथूजी के साथ भी आरोपी ने मारपीट की। दरियाव बाई के कमर और हाथ में गंभीर चोंट आने पर उसे उपचार हेतु शाजापुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरियाव बाई ने बताया कि आरोपी पुत्र के खिलाफ मो. बड़ोदिया थाना पर शिकायत की गई है।

शाजापुर पुलिस को मिली सफलता

24 घंटे में किया हत्या के आरोपी को गिरफ्तार

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ |
शाजापुर, हत्या के आरोपियों को पुलिस ने 24 घंटे में गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कालापीपल पर 01 जून 24 को मृतक संतोष पिता दुर्गाप्रसाद उम्र 38 साल निवासी कोठड़ी का मर्ग कायम कर अनुसंधान में लिया गया था। इस दौरान आरोपियों का पता लगाने के लिए थाना प्रभारी कालापीपल मनोहरसिंह जगेत के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए विवेचना की गई और 24 घण्टे के अन्दर ही हत्या का खुलासा करते हुए आरोपी मनोहरसिंह

पिता माखनसिंह प्रजापति उम्र 40 साल निवासी ग्राम कोठड़ी और लखनसिंह पिता माखनसिंह वर्मा उम्र 36 साल निवासी कोठड़ी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि मृतक संतोष की बेटी का इसी माह जून में विवाह होना है, जिसको लेकर उसे रुपयों की आवश्यकता थी। मृतक ने आरोपी मनोहर के पास अपनी जमीन गिरवी रखी थी, जिसके रुपये मृतक ने आरोपी से मांगे थे और इसी बात पर आरोपी ने विवाद कर संतोष की हत्या कर दी।

सावधान : बन रहा स्टापडैम, भूमाफिया की चाँदी

बिना रास्ता वाली 1.6390 हेक्टेर भूमि के बदले दिन

मोहम्मद मुनीर | सिटी चीफ |
हालही में सूबे के मुख्यमंत्री के आदेश के बाद नदियों के पुरजीवन के लिए अभिनव योजनाओ को मूल स्वरुप देने की अंतिम तैयारी चल रही है लेकिन शहडोल जिले में नदियों और तालाब के कब्जे को लेकर जिला सरकार के पास कोई ठोस योजना नहीं है, जिसके चलते जिले का अधिकतम इलाके में भूमाफिया काबिज है अथवा निर्माण कार्य जारी है द्य और वो निर्माण भी अवैध | शहडोल, जिला मुख्यालय में वर्षो पुराना विकास कार्य स्टापडैम अब शुरू हो चुका है जिसको लेकर नगरवासियो में एक तरफ खुशी लहर है की कल्याणपुर रोड वाली सुनसान सड़क किनारे निर्मित लगभग 70 लाख की लागत से आरईएस डिपार्टमेंट द्वारा स्टापडैम महीनो से बनाया जा रहा जिससे इलाके में जल स्तर बढ़ने की संभावना तो है ही साथ साथ इलाके का सौदर्यकरण भी किया जायगा | बहारहाल अब बारिश भी जबकि करीब है बारिश के बाद निर्माण कार्य कब तक नदी के बहाव में टिकेगा समझना आवश्यक है गुणवत्ता का तो अतिरिक्त मसला

है | सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक खबर है की बन रहे रपटे, स्टापडैम के ठीक उलटी दिशा में किसी किसन नामक व्यक्ति की 1.6390 हेक्टर भूमि खली पड़ी है जिसका उक्त भूमि में आने जाने का रास्ता नहीं किलियर है, अब जब स्टापडैम बन रहा है उसके बनने को लेकर भूमाफिया ने अलग ही कहानी गढ़ ली और 150 से 300 रूपये स्कवायर फिट वाली भूमि का एक एक दाम बढ़ने वाला है जिसको लेकर सुगबुगाहट यह भी है की उक्त भू स्वामी लोगो को बन रहे स्टापडैम को पुलिया बताते हुए अपनी लगभग 5 एकड़ भूमि को बेचने की तैयारी में है कुछ स्थानीय नागरिको ने तो भविष्य को लेकर प्लानिंग बनाते हुए बिना रास्ता वाली भूमि में निवेश भी शुरू कर दिया द्य अब किया गया निवेश कितना सुरक्षित है आंकलन लगाया जाये तो दूध का दूध और पानी का पानी होना लाजिमी है |

रफ्तार का कहरः ट्रक ने युवक को कुचला मौके पर दर्दनाक मौत

मोहम्मद मुनीर | सिटी चीफ |
शहडोल, ब्यौहारी थाना क्षेत्र के भोगिया तिराहे के पास पैदल जा रहे युवक को गिट्टी लोड ट्रक ने कुचल दिया जिससे युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, घटना की जानकारी स्थानी लोगों ने पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया पंचनामा कार्यवाही कर मौके से शव को पीएम के लिए अस्पताल भेज दिया है। रविवार की शाम भोगिया तिराहे के पास यह दर्दनाक हादसा हुआ है,थाना प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक युवक सीधी जिले के बेटखुरी का रहने वाला है, मृतक युवक सूर्यभान सिंह पिता राम सिंह उम्र 35 वर्ष ब्यौहारी किसी काम के सिलसिले से आया हुआ था तभी पैदल वह भोगिया तिराहे में सड़क पार कर रहा था, उसी वक्त एक तेज रफ्तार ट्रक गिट्टी लोड कर ब्यौहारी से भमरहा जा रहा था तभी भोगिया तिराहे में सड़क पार कर रहे युवक को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया जिससे युवक की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई, घटना देख स्थानीय लोग मौके पर दौड़े और मामले की खबर पुलिस को दी। जानकारी लगने के बाद थाना प्रभारी अपने दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और ट्रक को पुलिस ने जप्त कर आरोपी चालक के विरुद्ध है विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है ,थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक सीधी जिले का रहने वाला है वह किसी काम के सिलसिले से ब्यौहारी आया हुआ था तभी सड़क पार करते समय यह हादसा हुआ है जहां युवक की मौके पर ही मौत हो गई है युवक की पहचान के बाद उसके परिजनों को मामले की जानकारी दी गई है परिजन के पहुंचते ही पीएम की कार्यवाही करवाई जाएगी।

पुलिस ने चार वाहन चोरों को किया गिरफ्तार, गिरफ्तार अभियुक्तों से चोरी की पांच बाइकें हुई बरामद

पकड़े गए आरोपी शातिर अपराधी है, उनके खिलाफ पहले भी अनेक मामले दर्ज है

गौरव सिंघल | सिटी चीफ |
सहारनपुर, सहारनपुर जनपद की थाना गंगोह पुलिस ने चार वाहन चोरों को गिरफ्तार कर चोरी की पांच बाइक बरामद की हैं। पकड़े गए आरोपी शातिर अपराधी है। उनके खिलाफ पहले भी अनेक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर नकुड़ रोड स्थित पशु पैंठ के समीप से दो बाइकों पर आ रहे गांव मैनपुरा निवासी रोहित,आजम, शकील और झिंझाना निवासी शावेज को गिरफ्तार किया गया, जबकि उनका पांचवां साथी मैनपुरा निवासी राहुल फरार हो गया। पकड़े गए चोरों की निशानदेही पर तीतरों मार्ग स्थित पशुवधशाला के पीछे खेत से भी तीन अन्य बाइक बरामद की गई। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उक्त बाइक उन्होंने विभिन्न स्थानों से चोरी की है। वह अपना शौक पूरा करने के लिए बाइक चोरी करते हैं और इन्हें सस्ते दामों में बेच देते हैं। पुलिस फरार हुए आरोपी की तलाश कर रही है।

टायर फटने से कोयले से लोड ट्रक पलटा

बाइक सवार की मौत एक अन्य अभी भी कोयले में दबा, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

मोहम्मद मुनीर | सिटी चीफ |
शहडोल, टायर फटने से पलटे कोयला लोड ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत हो गई, एक अन्य के कोयले में दबे होने की आशंका बताई जा रही है। गोहपारू थाना क्षेत्र के सरसी गांव के समीप मोड में हुए इस हादसे का शिकार हुआ ट्रक शहडोल के अल्ट्राटेक कोयला खदान विचारपुर से कोयला लेकर रीवा की ओर जा रहा था घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं कोयले में दबे व्यक्ति को निकालना के प्रयास जारी हैं खबर लिखे जाने तक संबंधित व्यक्ति को बाहर नहीं निकाला जा सका है ।गोहपारू थाना क्षेत्र के सरसी मोड़ में रविवार की शाम तकरीबन 6 बजे कोयला लोड ट्रक क्रमांक एम एच 40 ए के 1397 शहडोल से रीवा की ओर जा रहा था इसी दौरान ट्रक का टायर अचानक फट गया और ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया ट्रक के पलटने के दौरान बगल से निकल रहे दो बाइक सवार ट्रक और कोयले की चपेट में आ गए बाइक तो नहीं दबी लेकिन बाइक सवार कोयले के नीचे आ गए जिनमें से एक व्यक्ति को मृत अवस्था में निकाल लिया गया है, लेकिन बाइक पर सवार एक अन्य व्यक्ति के अभी भी कोयले में दबे होने की सूचना प्राप्त हुई है जिसे निकालने के लिए पुलिस प्रशासन की टीम लगातार प्रयास कर रही है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार जिस समय ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा उस समय बगल से तेजराम यादव व एक अन्य

जयसिंहनगर की ओर बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। ट्रक के अनियंत्रित होने की स्थिति में वह बच नहीं पाए और असमय मौत का शिकार हो गए ।एक बाइक सवार को निकाला गया उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो चुकी थी और यह आशंका जताई जा रही है कि दूसरा व्यक्ति जो कोयल में दबा हुआ है वह भी शायद ही जीवित अवस्था में निकाला जा सकेगा। हादसे की जानकारी मिलते ही संभाग मुख्यालय से संभाग आयुक्त बीएस जामोद और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डीसी सागर तत्काल ही घटना स्थल के लिए रवाना हो गए और दोनों ही वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया खबर लिखे जाने तक दूसरे बाइक सवार को नहीं निकाला जा सका था उम्मीद की जा रही है कि शीघ्र ही संबंधित व्यक्ति को जीवित या अमृत बाहर निकाल लिया जाएगा। घटना की जानकारी देते हुए एसडीएम प्रगति वर्मा ने बताया कि उन्हें पुलिस के द्वारा मामले की जानकारी लगी थी,वह मौके पर जब पहुंची तो बाइक में सवार लोग कोयले में दबे हुए थे जिसकी जानकारी उन्होंने संभागा आयुक्त एवम एडीजीपी एवं वरिष्ठ अधिकारियों को दी जानकारी लगने के बाद कमिश्नर एडीजीपी एवं कलेक्टर तरुण भटनागर पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक सहित रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरु किया जिसमें बाइक सवार एक युवक का शव निकाला जा चुका है दूसरे की तलाश की जा रही है।

आग उगलते सूर्यदेव के सामने शुरु की अग्नि तपस्या

जनकल्याण की कामना के साथ 21 दिन चलने वाली तपस्या 22 जून को भंडारें के साथ पूर्ण होगी

गौरव सिंघल | सिटी चीफ |
सहारनपुर, गांव रंधेडी में भगत ओमपाल द्वारा पंच धूनों की अग्नि तपस्या आरंभ की गई है। जनकल्याणा की कामना के साथ 21 दिन चलने वाली तपस्या 22 जून को भंडारें के साथ पूर्ण होगी। तपस्या प्रतिदिन सुबह ग्यारह बजे से दोपहर दो बजे तक चलेगी। गांव रंधेडी स्थित गोगा म्हाडी पर कार्यक्रम की शुरूआत प्रात: जनकल्याण यज्ञ से हुई। जिसमें भगत ओमपाल के साथ यजमानों मोनू प्रधान, अनुज प्रधान, बाबूराम, जनक सिंह, यशपाल भगत, तेजपाल सिंह, बशेशर सिंह, बिटटू, रामकुमार, विशाल, जगदीश आदि ने आहूतियां दी। प्रसाद वितरण उपरांत भगत ओमपाल ने पंच धूनों की परिक्रमा एवं पूजा-अर्चना कर तपस्या आरंभ कर दी। बडी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

4 को प्रात: 8 बजे से होगी मतगणना

व्यवस्था चाक चौबंद मीडिया प्रतिनिधि मीडिया कक्ष तक ले जा सकेंगे मोबाइल

मोहम्मद मुनीर | सिटी चीफ |
शहडोल, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तरूण भटनागर ने आज कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में लोकसभा निर्वाचन के अंतर्गत 4 जून 2024 को संभागीय मुख्यालय शहडोल के शासकीय पालिटेक्निक कॉलेज शहडोल मे होने वाली मतगणना की तैयारियों के संबंध में पत्रकारवार्ता आयोजित कर पत्रकारों को जानकारी दी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तरूण भटनागर ने पत्रकारों को बताया कि 4 जून को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज शहडोल में प्रात: 8 बजे से मतगणना प्रक्रिया प्रारंभ होगी।

56 राउंड में होगी गिनती..... पत्रकारवार्ता के दौरान कलेक्टर ने बताया कि मतगणना कार्य हेतु टेबिलों की संख्या बढाई गई है जिसमें विधानसभा जैतपुर व जयसिंहनगर हेतु 16 -16 टेबिल एवं ब्यौहारी विधानसभा हेतु 21 टेबिलें लगाई जाएगी। उन्होंने बताया कि विधानसभा जैतपुर की मतगणना 20 राउण्ड व जयसिंहनगर की मतगणना 19 राउण्ड में पूर्ण होगी एवं ब्यौहारी विधानसभा

की मतगणना 17 राउण्ड में पूर्ण कर ली जाएगी।

त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा..... उन्होंने बताया कि विधानसभा जैतपुर एवं जयसिंहनगर के मतगणना कार्य का अंतिम परिणाम रिटर्निंग आफिसर अनूपपुर एवं ब्यौहारी विधानसभा के मतगणना कार्य का अंतिम परिणाम रिटर्निंग आफिसर सीधी द्वारा घोषित किया जाएगा। कलेक्टर ने बताया कि पत्रकार मतगणना स्थल के मीडिया कक्ष तक मोबाइल ले जा सकेंगें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि वाहनों की पकिंग हेतु पृथक-पृथक पार्किंग बनाया गया है। कलेक्टर ने बताया कि मतगणना की प्रक्रिया पूर्ण होने पर ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपीएटी मशीनों की सिलिंग की जाएगी तथा वेयरहाउस में रखी जाएगी। पत्रकार वार्ता में पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक ने बताया कि मतगणना परिसर की सुरक्षा तीन स्तर की होगी तथा आने जाने वाले व्यक्तियों की आईडी कार्ड सुरक्षा बल द्वारा की जांच की जाएगी।

सुबह 6 बजे से होगी इंट्री..... पत्रकार वार्ता में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग ने बताया कि मतगणना स्थल में स्मार्ट वॉच, केल्कुलेटर सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, सिगरेट गुटख, तम्बाकू व अन्य मादक पदार्थ प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने बताया कि मतगणना स्थल में मतगणना दिवस के दिन प्रात: 6 बजे से प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी, शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रवेश हेतु पास दिया जाएगा जिसे लेकर ब्यौहारी विधानसभा हेतु समस्त मतगणना कर्मी गेट क्रमांक 1 से एवं समस्त विधानसभा क्षेत्र के मतगणना एजेंट, निर्वाचन अभिकर्ता अभ्यर्थी प्रवेश करेंगे एवं गेट क्रमांक 2 से विधानसभा क्षेत्र जयसिंहनगर एवं जैतपुर के मतगणना कर्मी एवं मीडिया कर्मी प्रवेश करेंगे। रविवार मतगणना कार्य की तैयारियों के संबंध में अन्य आवश्यक जानकारियों से भी अवगत कराया गया। पत्रकार वार्ता में उप संचालक जनसम्पर्क जीएस मर्सकोले सहित इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के संवाददाता उपस्थित थें।

सहारनपुर : जिला निर्वाचन अधिकारी डा.दिनेश चन्द्र पंहुचे सेंट्रल वेयर हाउस ईवीएम की सुरक्षा जांची, मतगणना की हो रही तैयारियों को भी परखा

जिला निर्वाचन अधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने सुरक्षा कर्मियों एवं ड्यूटी में तैनात अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

गौरव सिंघल | सिटी चीफ |
सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट डॉ0 दिनेश चंद्र जनता रोड स्थित सेंट्रल वेयर हाउस में पहुंचे और वहां रखी ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था को जांचा। ईवीएम की सुरक्षा को लेकर डीएम बेहद संवेदनशील हैं। डॉ. दिनेश चंद्र सेंट्रल वेयर हाउस पर पहुंचे और काफी देर तक जांच-पड़ताल की। उन्होंने पिछले दिनों की सभी सीसीटीवी फुटेज निकलवाकर चेक की। वहां तैनात अर्धसैनिक बल के जवानों और पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि किसी वाहन को अंदर नहीं जाने दिया जाए। यदि कोई अधिकारी भी निरीक्षण को आ रहे हैं तो उनकी कार को चेक करें और उनकी पूरी पहचान करने के बाद

ही अंदर जाने दिया जाए। सहारनपुर और कैराना लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को चुनाव हुआ था। मतदान के बाद ईवीएम को सेंट्रल वेयर हाउस में कड़ी सुरक्षा में रखे गए हैं। यहां अर्धसैनिक बलों और पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। पूरे सेंट्रल वेयर हाउस में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। एक कंट्रोल रूम बनाया है, जहां पर एलईडी लगाई गई है। डीएम ने कैमरों के अलावा ईवीएम की सुरक्षा भी परखी।

मतगणना प्रक्रिया पूरी तरह से निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से कराएं संपन्न :- जिला निर्वाचन अधिकारी डा.दिनेश चन्द्र

मतगणना अधिकारियों को पूरी सतर्कता एवं सजगता के साथ मतगणना कार्य संपादित करने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल | सिटी चीफ|
सहारनपुर, जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में लोकसभा निर्वाचन 2024 की मतगणना की तैयारियों के संबंध में बैठक की गई। उन्होंने मतगणना की समस्त प्रक्रिया को मा0 भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों के अनुसार सकुशल, पारदर्शी, निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराने के निर्देश दिए। सभी अधिकारियों को मतगणना स्थल पर बेरीकेडिंग, पानी, भोजन, सुरक्षा व्यवस्था, एंट्री गेट, पार्किंग, मतगणना स्थल के अंदर टेबल चेकिंग से संबंधित सभी बिन्दुओं पर आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत कार्य करने के निर्देश दिए। डीईओ ने बताया कि 4 जून को मतगणना सेंट्रल वेयर हाउस जनता रोड में की जाएगी। मतगणना अधिकारियों- कर्मचारियों मतगणना तिथि पर निर्धारित समय पर मतगणना स्थल के मतगणना टेबल में उपस्थित होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि मतगणना बहुत जिम्मेदारी वाला कार्य है। उन्होंने मतगणना अधिकारियों को पूरी सतर्कता एवं सजगता के साथ मतगणना कार्य संपादित करने के निर्देश दिए। डॉ0 दिनेश चंद्र ने कहा

कि मतगणना प्रक्रिया पूरी तरह से निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करें। उन्होंने कहा कि जो दायित्व दिया गया है उसे तत्परता के साथ पूरा करना है। उन्होंने मतगणना कार्य को शत-प्रतिशत सही एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मतगणना स्थल पर मोबाईल एवं इलेक्ट्रानिक गैजेट का उपयोग पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। डीईओ ने गणना अधिकारियों को उनके कार्यों एवं दायित्वों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने मतगणना केन्द्र एवं मतगणना कक्ष के आधारभूत संरचना एवं आदर्श बैठक व्यवस्था के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मतों की गणना विधानसभावार अलग-अलग कक्षों में की जाएगी। उन्होंने स्ट्रांग रूम में किये जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में भी जानकारी दी। अवगत कराना है कि जनपद में जनपद की सात विधानसभा सीटों के लिए पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान सम्पन्न हुआ था। मतगणना जनता रोड स्थित सेन्ट्रल वेयर हाउस पर प्रात: 08 बजे से की जायेगी। सहारनपुर लोक सभा की विधानसभाओं बेहट की 29, सहारनपुर नगर की 33, सहारनपुर की 28, देवबन्द की 27, रामपुर मनिहारान की 24 राउण्ड में मतगणना होगी। इसी प्रकार कैराना आंशिक लोक सभा की विधानसभा नकुड की 28 एवं गंगोह की 29 राउण्ड में मतगणना होगी। डॉक्टर दिनेश चंद्र ने बताया कि मतगणना स्थल पर मतगणना हेतु 14+1 = 15 मेजें लगाई जाएंगी। जिसमे एक टेबल सहायक रिटर्निंग ऑफिसर तथा 14 टेबल गणना हेतु होंगी। पोस्टल बैलेट पेपर की गणना हेतु 10 टेबिल लगाई जायेगी। प्रत्येक टेबल पर एक एजेंट नियुक्त किया जाएगा। मतों की गणना के लिए एक टेबिल पर 01 गणना सुपरवाईजर, 01 गणना सहायक, 01 माइक्रो आब्जर्वर तथा 01 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नियुक्ति की जायेगी। सर्व प्रथम डाक द्वारा प्राप्त मतपत्रो की
गणना की जायेगी। डाक मतपत्रों की गणना के लिए पृथक से गणना सुपरवाईजर व गणना सहायकको नियुक्ति अलग से की जायेगी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक विधान सभा के 05 मतदेय स्थलों की वीवीपैट मशीनों की पर्चियों का मिलान रेण्डमली चयन लॉटरी के आधार पर संबंधित ए0आर0ओ0 द्वारा उम्मीदवारों एवं चुनाव अभिकर्ताओं तथा सामान्य प्रेक्षक की उपस्थिति में किया जायेगा। मतगणना अभिकर्ता को जारी पास अहस्तांतरणीय होगा और मतगणना अभिकर्ता को एक हॉल से दूसरे हॉल में जाने की अनुमति नहीं होगी तथा मतगणना अभिकर्ता अपनी निर्धारित टेबिल से दूसरी टेबिल पर नहीं जाएगें।मतगणना हाल में मोबाईल फोन, आई पैड, लैप टॉप, इलैक्ट्रानिक डिवाईस, माचिस व शस्त्र आदि ले जाने की अनुमति नही होगी तथा धूम्रपान पूर्णत: वर्जित है। मतगणना केन्द्र पर केवल पास धारकों एवं आयोग द्वारा प्राधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। मतगणना के परिणाम की घोषणा के पश्चात् विजयी उम्मीदवार द्वारा जुलूस आदि निकालने पर पूर्ण रूप से प्रतिबन्ध है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, सिटी मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार सहित एसडीएम, तहसीलदार एवं सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सात दिवसीय गुरमत सिखलाई कैम्प हुआ शुरू, बच्चों को पंजाबी भाषा व विरासत से जोड़ने का है प्रयास

कैम्प के पहले दिन 35 बच्चों ने कैम्प में भाग लिया

गौरव सिंघल | सिटी चीफ |
सहारनपुर | देवबंद, गुरूद्वारा श्री गुरूनानक सभा द्वारा गर्मी की छुट्टियों में बच्चों व संगत को धर्म से जोड़ने के लिए धर्म प्रचार मिशन उत्तर प्रदेश (सिंह ब्रदर्स वेल्फेयर ऑग्रानाईजेशन) के सहयोग से सात दिवसीय गुरमत सिखलाई कैम्प 2024 का शुभारंभ हो गया। कैम्प का शुभारंभ गुरूद्वारा कमेटी के प्रधान सेठ कुलदीप कुमार ने किया। गुरूद्वारा श्री गुरूनानक सभा में लगाए कैम्प की शुरूआत ज्ञानी गुरदयाल सिंह ने वाहेगुरू जी से अरदास कर की। कैंप में बच्चों को सिखाने आए भाई गुरजंट सिंह ने कहा कि पंजाबी हमारी मातृभाषा है। पंजाबी भाषा दो लिपियों में लिखी जाती है एक गुरमुखी जो भारत समेत दुनिया के अनेकों देशों

में प्रचलित है और दूसरी शाहमुखी जो पाकिस्तान में प्रचलित है। कैम्प के पहले दिन 35 बच्चों ने कैम्प में भाग लिया। गुरूद्वारा कमेटी के प्रधान सेठ कुलदीप कुमार ने कहा कि बच्चे कौम का भविष्य है। कैम्प लगाने का मुख्य उद्देश्य बच्चों को पंजाबी भाषा का ज्ञान कराना व अपनी विरासत एवं गुरूओं, संतों व शहीदों के इतिहास से परिचित कराना है। इस दौरान सिंघ ब्रदर्स के मनजोत सिंह, गुरजोत सिंह सेठी, श्याम लाल भारती, विरेंद्र सिंह उप्पल, सचिन छाबड़ा, हरविंदर सिंह बेदी, चंद्रदीप सिंह, अमनदीप सिंह, युवराज सिंह आदि मौजूद रहे।

विंध्य आईकॉनिक सोल्जर सम्मान समारोह 5 जून को

सतना - स्नेहा इवेंट एंड मैनेजमेंट/सत्यार्थी फिल्म्स द्वारा 5 जून को विंध्य आईकॉनिक सोल्जर सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है,इस गरिमामयी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला होगे,जबकि कैप्टन डॉ. एडी मानिक प्राउड ऑफ महराष्ट्र, सुरेंद्र पाल वालीवुड फिल्म अभिनेता,पुष्पेंद्र प्रताप सिंह कंट्रीहेड एशिया शिपिंग विशिष्ट अतिथि होगे,यह जानकारी आयोजक विष्णु मिश्रा सीएमडी स्नेहा इवेंट एंड मैनेजमेंट ने दी है।उन्होंने बताया की 5 जून को शमा 4 बजे से शाम 7 बजे तक माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता यूनिवर्सिटी रीवा एडीटोरियम में यह कार्यक्रम होगा कार्यक्रम में पद्म श्री डॉ सोमा घोष अपनी प्रस्तुति देगी।विंध्य आईकॉनिक सोल्जर सम्मान से इनका होगा सम्मान विंध्य आईकॉनिक सोल्जर सम्मान से इनका होगा

सम्मान समारोह में शहीद? वंशीधर तिवारी , नयेतर कला बरती तहसील पनवारा, शहीद कन्हैया लाल सिंह ग्राम चूद जिला सतना, शहीद नायक कालू प्रसाद पाण्डेय ग्राम, फरेदा तहसील जवा शहीद अवधेश सिंह तोमर,ग्राम तोमरन पुरवा तहसील त्यौधारी,अमर शहीद कर्णवीर सिंह शौर्य चक्र देवमऊ दलदल तहसील रामपुरबाघेलन शहीद लांस नायक सुधाकर सिंह ग्राम डढिया सीधी शहीद नायक बाबूलाल सिंह ग्राम चूद तहसील रामपुर बाघेलान शहीद नायक दीपक सिंह ग्राम फरेदा तहसील मनगवां का सम्मान इनके परिजनों को किया जाएगा।।

26 जिलों को मिलाकर पश्चिम प्रदेश का निर्माण जरूरी

छोटे-छोटे राज्यों के निर्माण से ही देश की उन्नति संभव

गौरव सिंघल | सिटी चीफ|
सहारनपुर | देवबंद, भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने आज ग्राम खेड़ा मुगल में एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश देश ही नहीं दुनिया का सबसे बड़ा राज्य है यहां की जनसंख्या 25 करोड़ है जबकि यूनाइटेड स्टेट अमेरिका की जनसंख्या 34 करोड़ है और वहां 50 राज्य हैं। उत्तर प्रदेश से दुनिया के तीन देश बड़े हैं। उत्तर प्रदेश बड़ा राज्य होने के कारण यहां कानून व्यवस्था ठीक नहीं है। पूरा प्रदेश गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और अव्यवस्था की चपेट में है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि छोटे-छोटे राज्यों के निर्माण से ही देश की उन्नति संभव है। छोटा राज्य हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, झारखंड देश को सबसे अधिक आयकर और अन्य टैक्स देने वाले राज्य हैं। उत्तर प्रदेश बड़ा राज्य होने के कारण यहां प्रति व्यक्ति वार्षिक आय बिहार के बाद देश में सबसे कम है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 जिलों को मिलाकर बनने वाला पृथक पश्चिम प्रदेश देश ही नहीं दुनिया का सबसे उन्नतशील और विकसित राज्य होगा। पश्चिम प्रदेश में प्रति व्यक्ति वार्षिक आय कतर देश से भी अधिक होगी और यहां शिक्षा और चिकित्सा अंतरराष्ट्रीय स्तर की होगी और सभी को निःशुल्क होगी। भगत सिंह वर्मा ने महामहिम राष्ट्रपति को एक पत्र लिखकर उत्तर

प्रदेश को चार भागों में बांटकर पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण करने की मांग की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र चौधरी ने कहा कि पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण होने पर यहां के बेरोजगार युवाओं को भारी संख्या में सरकारी नौकरी मिलेगी और यहां बड़े-बड़े उद्योग स्थापित होंगे और यहां के किसानों, मजदूर, युवाओं, छोटे व्यापारियों की समस्याएं अपने आप ही हल हो जाएगी। बैठक का संचालन करते हुए पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री आसीम मलिक ने कहा कि पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के नेतृत्व में किसानों, मजदूरों, युवाओं, छात्रों, छोटे दुकानदारों, व्यापारियों, बुद्धिजीवियों, वकीलों सभी कोए कजुट होकर संघर्ष के लिए आगे आना चाहिए। जब तक पश्चिम प्रदेश के 8 करोड लोग घर-घर अलग राज्य की बात नहीं करेंगे और यह जन आंदोलन नहीं बनेगा तब तक पश्चिम प्रदेश का निर्माण नहीं होगा। आज पश्चिम प्रदेश निर्माण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बैठक में पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित नीरज कपिल, प्रदेश सचिव मुनेशपाल सिंह बुद्धू, प्रदेश सचिव ऋषिपाल गुर्जर, मंडल उपाध्यक्ष चौधरी कृपाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष वसीम जहीरपुर, जिला मंत्री महबूब हसन, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह एडवोकेट, नरेश कुमार एडवोकेट, शाहनवाज मलिक एडवोकेट, सुमित मान,मुन्नू भट्टल, मोहम्मद कुर्बान, हाजी बुद्धू हसन, विनय चौधरी, रविपाल, विक्की चौधरी, अमरदीप चौधरी,करसनपाल चौधरी, मोहम्मद समयदिन, जगदीश सैनी, कृष्णपाल सैनी, सनी सैनी, ईसमपाल सैनी,गुरजीत चौधरी, अमित चौधरी, रविंद्र सिंह आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

दुनिया की पहली कैंसर वैक्सीन का ट्रायल जल्द

ब्रिटेन के अस्पतालों में 30 से अधिक अस्पतालों में मरीजों होगा परीक्षण

नेशनल डेस्क- दुनिया की पहली कैंसर वैक्सीन का ट्रायल जल्द ही इंग्लैंड के नेशनल हेल्थ सर्विस में हजारों लोगों पर किया जाएगा। यह वैक्सीन ट्रायल यदि सफल रहता है तो कैंसर के मरीजों को नई जिंदगी मिलेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैक्सीन की खुराक पहले 30 से अधिक अस्पतालों में मरीजों को दी जाएगी। इसके बाद दूसरे देशों में भी वैक्सीन का परीक्षण किया जाएगा। इंग्लैंड में ही त्वचा कैंसर की वैक्सीन का भी परीक्षण चल रहा है। उम्मीद है कि वैक्सीन का परीक्षण 2027 तक पूरा हो जाएगा। पहले इंग्लैंड के ही 30 से अधिक केंद्रों पर इसके परीक्षण किए जाएंगे। फिर जर्मनी, बेल्जियम, स्पेन और स्वीडन में 200 से अधिक मरीजों को परीक्षण के लिए भर्ती किया जाएगा। इन्हें वैक्सीन के 15 डोज दिए जाएंगे।

बीमारी के बाद ही दी जाएगी वैक्सीन

कोरोना रोधी वैक्सीन की तरह ही एम.आर.एन.ए. तकनीक का उपयोग कर इस वैक्सीन को बायोफार्मास्युटिकल कंपनी बायोएनटेक और जेनेटिक ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। ये वैक्सीन मरीज के प्रतिरक्षा प्रणाली को कैंसर कोशिकाओं की पहचान करने में सक्षम बनाने, उन्हें खत्म करने और दोबारा फैलने से रोकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि ये वैक्सीन फेफड़े, मूत्राशय और अग्न्याशय समेत कई तरह के कैंसर पर प्रभावी हो सकती है। वैक्सीन बीमारी से पहले नहीं बल्कि बीमारी के बाद ही दी जाएगी। मरीज की कैंसर पीड़ित कोशिका में मौजूद खास म्यूटेशन का अध्ययन करने के बाद वैक्सीन को डिजाइन किया गया कि यह प्रतिरक्षा प्रणाली को कैंसर कोशिकाओं को पहचानने और उन्हें खत्म करने में सक्षम बना देती है।

प्रत्येक मरीज के लिए अलग वैक्सीन

मरीज के कैंसर कोशिकाओं के अध्ययन के बाद ही वैक्सीन विकसित की जाएगी। प्रत्येक मरीज के लिए यह अलग तरह से बनाई जाएगी। कैंसर कोशिकाओं में होने वाले म्यूटेशन के अनुसार वैक्सीन में बदलाव किए जाएंगे। रक्त और कैंसर कोशिकाओं का सैंपल लेने के बाद इसे तैयार किया जा सकता है। सबसे पहले आंत के कैंसर से पीड़ित 55 वर्षीय इलियट फेबवे को वैक्सीन लगाई गई है। फेबवे की सर्जरी कर ट्यूमर को हटाया गया और कीमोथेरेपी के बाद कैंसर कोशिका का नमूना जर्मनी में बायोएनटेक की प्रयोगशालाओं में भेजा गया। उनकी कोशिका में 20 म्यूटेशन की पहचान की गई इसके बाद व्यक्तिगत वैक्सीन बनी और यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स बर्मिंघम में उन्हें लगाई गई। फेबवे को वैक्सीन लगने के बाद हल्का बुखार आया है। वैज्ञानिक इसके बाद भी कई अलग-अलग प्रकार की कैंसर वैक्सीन का अध्ययन कर रहे हैं और वे अलग-अलग कैंसर में कैसे काम कर सकते हैं।

मालदीव ने इजराइली नागरिकों की एंट्री पर लगाया बैन

गाजा युद्ध को लेकर मुइज्जू सरकार का बड़ा कदम

इंटरनेशनल डेस्क: मालदीव सरकार ने गाजा में इजरायली हमलों को लेकर इजराइली पासपोर्ट पर प्रतिबंध लगाने के लिए देश के कानूनों में संशोधन करने का निर्णय लिया है। गृह मंत्री अली इहुसन ने रविवार दोपहर राष्ट्रपति कार्यालय में एक आपातकालीन संवाददाता सम्मेलन में इस निर्णय की घोषणा की। इहुसन के अनुसार, यह निर्णय दिन में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने आज इजरायली पासपोट 'के मालदीव में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के लिए आवश्यक कानूनी संशोधन करने का निर्णय लिया। कैबिनेट ने प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए एक विशेष समिति का गठन किया है। इस कदम के माध्यम से मालदीव द्वारा गाजा में चल रही स्थिति के बारे में अस्वीकृति का स्पष्ट संदेश दिए जाने की उम्मीद है। कैबिनेट ने फिलिस्तीन के संबंध में चार अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिया। इन निर्णयों में एक विशेष राष्ट्रपति दूत नियुक्त करना जिन क्षेत्रों में फिलिस्तीन को मालदीव से समर्थन की आवश्यकता है, निकट पूर्व में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के माध्यम से फिलिस्तीनियों की सहायता के लिए धन संचय करना,' फिलिस्तीन के साथ मालदीवियन एकजुटतानारे के साथ एक राष्ट्रव्यापी रैली आयोजित करना और फिलिस्तीनी संघर्ष के समाधान में तेजी लाने के लिए अन्य मुस्लिम देशों के साथ चर्चा करना शामिल है। मालदीव एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राय के समर्थन के लिए मुखर रहा है। जब से राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू ने पदभार ग्रहण किया है, मालदीव ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर फिलिस्तीन का प्रतिनिधित्व किया है और अपन प्रयासों को तेज किया है। मालदीव में प्रति वर्ष 10 लाख से अधिक पर्यटक आते हैं, जिसमें इजरायल के लगभग 15,000 पर्यटक शामिल हैं। मालदीव सरकार द्वारा इजरायली पासपोर्ट पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय मुख्य विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के एक सांसद मीकैल अहमद नसीम द्वारा पिछले सप्ताह आव्रजन अधिनियम में एक संशोधन प्रस्तुत करने के बाद आया है, ताकि इजराइली नागरिकों के प्रवेश पर रोक लगाई जा सके। पिछले सप्ताह कार्यभार संभालने वाली नयी संसदीय सभा सोमवार को अपनी दूसरी बैठक आयोजित करेगी। मुख्य सत्तारूढ़ पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) के पास संसद में 93 में से 75 सीटों के साथ भारी बहुमत है।

नेपाल में झील के पास पलट गई जीप, सवारों में अधिकतर भारत के वरिष्ठ नागरिक

काठमांडू- नेपाल के चितवन जिले में रविवार को एक झील के पास जीप पलट जाने से छह भारतीय पर्यटक घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक घायल हुए पर्यटकों में अधिकतर वरिष्ठ नागरिक थे। खैरेनी नगरपालिका के वार्ड नंबर-12 के अध्यक्ष केदारनाथ पंटा ने बताया कि यह दुर्घटना खैरेनी में दराई झील के पास उस वक्त हुई, जब ये पर्यटक जंगल सफारी के लिए चितवन राष्ट्रीय उद्यान की ओर जा रहे थे।

अधिकारियों के मुताबिक, काठमांडू से 250 किलोमीटर दक्षिण में स्थित चितवन राष्ट्रीय उद्यान एक सींग वाले गैंडों और बंगाल टाइगर के लिए प्रसिद्ध है। पुलिस ने बताया कि घायल हुए सभी लोग मुंबई के बेंडाली थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं और उनमें से अधिकांश की उम्र 60 वर्ष से अधिक है। घायल हुए पर्यटकों की पहचान रामचंद्र यादव, सुदेश शंकर खड़िया, पंकज गुप्तेश्वर, वैशाली गुप्तेश्वर, सुष्मिता सुदेश खड़िया और विजया मोरे के रूप में की गयी है। पुलिस ने बताया कि घायलों का भरतपुर और रत्ननगर के अस्पतालों में इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि जीप चालक नेपाली नागरिक को हिरासत में ले लिया गया है।

ईरान में रइसी की मौत बाद राष्ट्रपति पद की चुनाव प्रक्रिया शुरू, अहमदीनेजाद ने भरा नामांकन

इंटरनेशनल डेस्क: ईरान के पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद ने राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए रविवार को नामांकन दाखिल किया। देश के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की एक हेलीकॉप्टर हादसे में मृत्यु के बाद वहां राष्ट्रपति चुनाव कराए जा रहे हैं। अहमदीनेजाद के नामांकन से सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई दबाव में आएंगे। अहमदीनेजाद ने 85-वर्षीय सर्वोच्च नेता को खुली चुनौती दी थी और 2021 के राष्ट्रपति चुनाव में भाग लेने की उनकी कोशिशों को अधिकारियों ने विफल कर दिया था। उन्होंने ऐसे वक्त में अपना नामांकन दाखिल किया है जब ईरान और पश्चिमी देशों के बीच तेहरान के परमाणु कार्यक्रम, रूस को हथियार देने और असंतुष्टों पर कार्रवाई को लेकर तनाव बढ़ रहा है। 'एसोसिएटिड प्रेस% के पत्रकारों ने तेहरान में देखा कि अहमदीनेजाद गृह मंत्रालय पहुंचे और चुनाव लड़ने के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की। उनके आने से पहले उनके समर्थकों ने नारे लगाए और ईरानी झंडे लहराए। देश में 28 जून को राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। अहमदीनेजाद 2005 से 2013 के बीच दो कार्यकाल के लिए देश के राष्ट्रपति रह चुके हैं।

जोमैटो ने ग्राहकों से क्यों की ऐसी अपील आखिर किस बात का सता रहा है डर?

नेशनल डेस्क- भीषण गर्मी के बीच ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने रविवार को अपने ग्राहकों से अनुरोध किया कि वे दोपहर के व्यस्त समय में ऑर्डर न करें, जब तक कि यह बहुत जरूरी न हो।

जोमैटो ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, कृपया दोपहर के व्यस्त समय में ऑर्डर न करें, जब तक कि यह बहुत जरूरी न हो। भीषण गर्मी के कारण कुछ राज्यों में पिछले वर्षों की तुलना में ज्यादा तापमान दर्ज किया गया है, जिससे हीटस्ट्रोक जैसी समस्याएं पैदा हुई हैं। बिहार, राजस्थान और झारखंड के साथ-साथ दिल्ली में भी हीटस्ट्रोक से संबंधित मौतें हुई हैं।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में चल रही हीटवेव की स्थिति और मानसून की शुरुआत की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। पीएम मोदी को बताया गया कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमानों के मुताबिक राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में हीटवेव जारी रहने की संभावना है। पीएम मोदी ने निर्देश दिया है कि आग की घटनाओं को रोकने और उनसे निपटने के लिए नियमित रूप से उचित अभ्यास किया जाना चाहिए।

इस बीच, जोमैटो के सह-संस्थापक और सीईओ दीपिंदर गोयल ने भारत के पहले बड़े मौसम बुनियादी ढांचे की शुरुआत की है, जो तापमान, आर्द्रता, हवा की गति, बारिश और अन्य प्रमुख मौसम मापदंडों पर स्थानीय, रीयल टाइम जानकारी प्रदान करता है। *weatherunion.com* नामक यह प्लेटफॉर्म 650 से अधिक ऑन-ग्राउंड मौसम स्टेशनों का एक सामूहिक नेटवर्क है, जो मौजूदा समय में 45 शहरों में उपलब्ध है। कंपनी ने कहा कि वह बहुत जल्द अन्य शहरों में इसका विस्तार करेगी।

कंपनी ने देश के सभी संस्थानों और कंपनियों के लिए इस नेटवर्क तक मुफ्त पहुंच भी दी है।

अमेरिका: हैदराबाद की 23 वर्षीय भारतीय छात्रा निथीशा कंडुला कैलिफोर्निया में लापता

कैलिफोर्निया- अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में पिछले हफ्ते एक 23 वर्षीय भारतीय छात्रा लापता हो गई और पुलिस ने उसका पता लगाने के लिए जनता से मदद मांगी है, अमेरिका में भारतीय छात्रों से जुड़े मामलों की श्रृंखला में यह ताजा घटना है, जिसने चिंता बढ़ा दी है। पुलिस ने कहा कि छात्रा की पहचान कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, सैन बर्नार्डिनो (सीएसयूएसबी) की छात्रा निथीशा कंडुला के रूप में हुई, जो 28 मई को लापता हो गई थी। सीएसयूएसबी के पुलिस प्रमुख जॉन गुटिरेज़ ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उसे आखिरी बार लॉस एंजिल्स में देखा गया था और 30 मई को लापता होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने कहा, *#MissingPersonAlert:* कैलिफ़ोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, सैन बर्नार्डिनो पुलिस [illegible] में हमारे सहयोगियों के साथ, *@CSUSBNews* निथीशा कंडुला के ठिकाने के बारे में जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति से हमसे संपर्क करने के लिए कह रही हैरिपोर्टों के अनुसार, कंडुला मूल रूप से हैदराबाद का रहने वाला है जो बेहतर शैक्षणिक और करियर की संभावनाओं के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका आया था। पुलिस ने एक लिखित बयान में कहा कि उसकी लंबाई 5 फीट 6 इंच और वजन लगभग 160 पाउंड (72.5 किलोग्राम) और काले बाल और काली आंखें बताई गई हैं।

दुनिया के सबसे खतरनाक सीरियल किलर की कनाडा की जेल में हत्या

49 सेक्स वर्कर्स को बेरहमी से मारा, बनाना चाहता था मर्डर रिकार्ड

इंटरनेशनल डेस्क: दुनिया के सबसे खतरनाक सीरियल किलर्स में रॉबर्ट पिक्टन (74) की कनाडा की जेल में हत्या कर दी गई । जेल प्रशासन ने कहा कि 19 मई को उस पर जानलेवा हमला हुआ था। इसके बाद उसे क्यूबेक के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां शुक्रवार 31 मई को उसकी मौत हो गई। पिक्टन को 90 के दशक में 49 महिलाओं की बेरहमी से हत्या की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। रॉबर्ट पिक्टन को 2007 में ड्रग एडिक्ट लड़कियों और यौनकर्मियों की हत्याकर उनके शवों के अंगो को काटकर सूअरों को खिलाने का दोषी पाया गया ।

हालांकि, जांचकर्ताओं को सिर्फ 6 महिलाओं के अवशेष मिले थे। इसके अलावा जांचकर्ताओं को कम से कम 33 महिलाओं के [illegible] मिले थे। उस पर आरोप था कि वह सेक्स वर्कर्स की हत्या कर उसके अंगों को अपने पिग फार्म के सूअरों को खिला देता था। 26 अक्टूबर 1949 को कनाडा में जन्मा पिक्टन कनाडा की वैंकूअर जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा था। पुलिस के मुताबिकपिक्टन पर हमला करने वाले 51 साल के कैदी को कस्टडी में रखा गया है। हालांकि, पुलिस ने हमलावर कैदी के नाम का खुलासा नहीं किया है। पुलिस हत्या के कारण की जांच में जुटी हुई है। पिक्टन ने एक वीडियो में अफसोस जताया था कि वह 50 महिलाओं का कत्ल नहीं कर सका।

पिक्टन की बर्बरता का शिकार हुई एक पीड़िता की बहन सिंथिया कार्डिनल ने न्यूयॉर्क टाइम्स से कहा कि वह इस खबर को सुनकर बेहद खुश है। अब वह अपनी बहन की मौत की घटना को भूलकर आगे बढ़ सकती है। एक बार पूछताछ के दौरान रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में पिक्टन ने कहा था कि वह सिर्फ एक और महिला का कत्ल कर 50 का रिकॉर्ड बनाना चाहता था। पिक्टन उन महिलाओं को अपना शिकार बनाता था जो यौनकर्मी थीं, घर से भागी हुई थीं या नशीली दवाओं की लत और मानसिक स्वास्थ्य से पीड़ित थीं।ये महिलाएं पहले से ही समाज से कटी हुई थीं, इसलिए शुरुआत में इनकी मौत पर पुलिस का ध्यान नहीं जा पाया। हालांकि, सेक्स वर्कर समुदाय को मालूम था कि कोई उन्हें निशाना बना रहा है। इसके बाद उन्होंने विभिन्न स्वयंसेवी समूहों के साथ मिलकर अपनी समस्या को उठाया।

इसके बाद पुलिस भी महिलाओं की गुमशुदगी को लेकर गंभीर हुई। लंबी तलाश के बाद पुलिस ने 2002 में रॉबर्ट पिक्टन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक पिक्टन पहले वेश्याओं के साथ शारीरिक संबंध बनाता था और बाद में जहरीले इंजेक्शन देकर उन्हें बेहोश कर देता था। इसके बाद वह उनकी हत्या करता था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिक्टन ने पहली हत्या 1995 में की थी। 2001 तक वह 49 महिलाओं को मार चुका था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569